Title Code: DELHIN28985. **DCP Licensing Number:** F.2 (P-2) Press/2023



आज का सुविचार

यदि आप अपने सपने साकार नहीं करेंगे तो कोई और खुद के लिए आपको भाडे पर रख लेगा।

🔢 राम मंदिर से एक लाख करोड़ का होगा कारोबार

👭 पर्यटकों को लुभाने की नई रणनीति जरूरी

🛮 🎗 'साइक्लोथॉन ' यात्रा कन्याकुमारी से दिल्ली का भीलवाड़ा से ढोल नगाड़ों से विदाई

ट्रैफिक एडवाइजरी: दिल्ली में चार दिन बंद रहेंगे ये रास्ते रिपब्लिक डे परेड रिहर्सल पर आई ट्रैफिक एडवाइजरी

हाईलाइट

गणतंत्र दिवस की परेड रिहर्सल के चलते दिल्ली के कई सड़कों पर सुबह के समय ट्रैफिक प्रभावित होता है। सोमवार को एक बार फिर से दिल्ली पुलिस ने परेड रिहर्सल को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। गणतंत्र दिवस की परेड रिहर्सल कर्तव्यपथ पर 17 18 20 और 21 जनवरी को विजय चौक से इंडिया गेट तक जाएगी। ऐसे में दिल्ली ये रास्ते चार दिन...

17, 18, 20 और 21 जनवरी विजय चौक से इंडिया गेट तक कर्तव्यपथ भी टैफिक की आवाजाही के लिए बंद रहेगा।

संजय बाटला

नई दिल्ली 126 जनवरी को दिल्ली के कर्तव्यपथ पर होने वाली परेड को लेकर रिहर्सल चल रही है। गणतंत्र दिवस की परेड रिहर्सल के चलते दिल्ली के कई सड़कों पर सुबह के समय ट्रैफिक भी प्रभावित होता है। सोमवार को एक बार फिर से दिल्ली पलिस ने परेड रिहर्सल को लेकर ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है।

चार दिनों के लिए जारी

ट्रैफिक एडवाइजरी में कहा गया कि गणतंत्र दिवस की परेड रिहर्सल कर्तव्यपथ पर 17, 18, 20 और 21 जनवरी को विजय चौक से इंडिया गेट

तक जाएगी। ऐसे में कर्तव्यपथ पर परेड की निर्बाध आवाजाही के लिए कर्तव्यपथ-रफी मार्ग क्रॉसिंग. कर्तव्यपथ-जनपथ क्रॉसिंग, कर्तव्यपथ-मानसिंह रोड क्रॉसिंग और कर्तव्यपथ-सी-हेक्सागोन पर सुबह 10:15 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक ट्रैफिक आवाजाही पर प्रतिबंध रहेगा।

रिहर्सल के दौरान ट्रैफिक

इसके चलते 17, 18, 20 और 21 जनवरी विजय चौक से इंडिया गेट तक कर्तव्यपथ भी ट्रैफिक की आवाजाही के लिए बंद रहेगा। ट्रैफिक पुलिस ने गणतंत्र दिवस की परेड रिहर्सल को लेकर कहा कि इस दौरान ट्रैफिक डायवर्ट किया जाएगा।

लोगों से पुलिस ने की ये

दिल्ली पुलिस ने एडवाइजरी में कहा कि मोटर चालकों से अनुरोध कि वे यातायात नियमों और सडक अनुशासन का पालन करें और सभी चौराहों पर तैनात यातायात पुलिस कर्मियों के निर्देशों का पालन करें। आम जनता से अनुरोध किया जाता है कि वे अस्विधा से बचने के लिए अपनी यात्रा की योजना पहले से

परिवहन विशेष के सोमवार संस्करण में जनहित में जारी खबर पर आय जवाब आपके लिए प्रस्तुत जाने और पड़े

"र मेरा सिर्फ इतना सा मानना है की जो क्षेत्रफल दिल्ली का है उसके हिसाब से 80% लैंड/ सड़को पर यह ई रिक्शे चल नहीं सकते और मात्र बची हुई 20% सड़को/ लैंड के लिए दिल्ली में 130000 पंजीकृत और अनगिनत बिना पंजीकृत ई रिक्शे दिल्ली सरकार ने लाकर खड़ा कर दिए जो बाहरी इलाके हैं पूरा चौक चौराहा हर तरीके से उनके द्वारा ब्लॉक कर दिया गया है मेरी सरकार से यही निवेदन है इनकी संख्या पर एक लिमिट लगाई जानी चाहिए जैसे डीटीसी बस, क्लस्टर बस, आरटीवी, ग्रामीण सेवा, एको फ्रैंडली सेवा, फटफट सेवा, और ऑटो रिक्शा पर सरकार के द्वारा पंजीकृत पर लिमिट लगाई हुई है वैसे ही ई रिक्शा पर भी लिमिट होनी

चंदु चौरसिया अध्यक्ष कैपिटल ड्राइवर वेलफेयर एसोसिएशन दिल्ली प्रदेश



परिवहन विशेष 1. Web Portal https://www.newspariyahan.com/ 2. facebook https://www.facebook.com/newsparivahan00 3. Twitter https://twitter.com/newsparivahan 4. Linkedin https://www.linkedin.com/in/news-parivahan-169680298/ 5. Instagram https://www.instagram.com/news_parivahan/ 6. Youtube https://www.youtube.com/@NewsParivahan

पर आप सभी के लिए 24 घण्टे उपलब्ध

3. प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट. A-4 पश्चिम विहार. नई दिल्ली : 110063 सम्पर्क: 9212122095, 9811732095

अब सडक रोडरेज जहाज में, पायलट से हाथापाई...

परिवरून विशेष। एसडी सेठी। आम लोगों का सब्न का बांध दुटते- दुटते सडक रोडरेज की हद पार कर हवाई जहाज के अंदर तक जा पहुंचा है। मामला दिल्ली से गोवा जा रही इंडिगो की क्लाइट 6E-2175 में एक यात्री को पायलट द्वारा जहाज देरी की घोषणा करना इतना नागवार गुजरा कि वह जहाज के आखरी छोर से आगे पहुंच गया गुस्से से बिलबिलाता वह पायलट केबिन में जा घुसा। और पायलट को थप्पड जड दिये। इतना ही नहीं उसने जबरदस्त हाथापाई कर दी। साहिल कटारिया नाम के आरोपी को पुलिस ने तूरंत हिरासत में ले लिया है। यात्री की पायलट से करतूत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक एयर लाइंस की शुरुआती टीम ने(एफडीटीएल) यानि पलाइट इयूटी टाइम लिमिटेशन के मापदंडों का उलंघन किया, जिसके चलते पलाइट में एक नए पायलट पहुंचे। जैसे ही पायलट ने देरी से संबंधित घोषणा की । तभी इस लेटलतीफी को लेकर एक शख्स का पारा इतना चढ गया कि वह अचानक आरिवरी छोर से भागता हुआ आया और पायलंट को थप्पड जडता चला गया। इस मामले को गम्भीरता से लेते हुए उक्त शख्स को नोटिस दिया गया है।पुलिस में दर्ज सभी धाराएं जमानती बताई वई है। बहरराल लोगों का मानना है कि ',,अब एयर-रेज की वारदात भी एक सबक है। एयरलाइंस कर्मचारी इस तरह का गंदा व्यव्हार कर्तर पसंद नहीं करते।

घने कोहरे ने हवाई सफर पर लगाया ब्रेक!**IGI** एयरपोर्ट पर 350 फ्लाइट्स लेट; 30 उड़ानें रह

परिवहन विशेष न्यूज

रविवार की तरह ही सोमवार को भी आईजीआई एयरपोर्ट पर लोगों की आंखें उडानों की समय सारिणी पर टिकी रहीं। घरेलू उड़ानों में कुल 300 उड़ानें विलंबित रही जिनमें आधी आगमन व आधी प्रस्थान से जुड़ी थी। नई दिल्ली से विभिन्न स्थानों को जाने वाली 30 उड़ानों को रद्द भी किया गया। बता दें कि रविवार को सुबह पांच बजे से नौ बजे के बीच रनवे पर शून्य दृश्यता

नई दिल्ली। रविवार की तरह ही सोमवार को भी आईजीआई एयरपोर्ट पर



लोगों की आंखें उड़ानों की समय सारिणी पर टिकी रहीं। आगमन व प्रस्थान जोड दें तो कुल 350 उड़ानें विलंबित रही। नई दिल्ली से विभिन्न स्थानों को जाने वाली 30 उड़ानों को रद्द भी किया गया। उडानों में घंटों की रही देरी

घरेलू उड़ानों में कुल 300 उड़ानें विलंबित रही, जिनमें आधी आगमन व आधी प्रस्थान से जुड़ी थी। उड़ानों में दो से तीन घंटे की देरी सामान्य रही। वहीं गुवाहाटी की उड़ान 11 घंटे, श्रीनगर की उड़ान नौ घंटे, लखनऊ की उड़ान आठ घंटे तो रांची की उड़ान छह घंटे की देरी

उधर आगमन में भी कुछ ऐसा ही हाल रहा। पणे से 19 घंटे. बागडोगरा से 18 घंटे, चेन्नई से 11 घंटे, बंगलुरू से सात घंटे की देरी से उड़ान आइजीआइ एयरपोर्ट पहुंची। अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में बैंकाक की उड़ान 17 घंटे, लंदन की उड़ान 13 घंटे, बगदाद की उड़ान 14 विलंब से रवाना हुई। इसी तरह दुबई की उड़ान 21 घंटे विलंब से नई दिल्ली

बता दें कि रविवार सुबह पांच बजे से नौ बजे के बीच के चार घंटे की अवधिक में कैट 3 की सुविधा से युक्त रनवे पर 31 विमानों की आवाजाही हुई, जिसमें 30 आगमन व एक प्रस्थान की उड़ान थी। हालांकि दो अन्य काम करने वाले रनवे जिनमें कैट 3 की सुविधा नहीं है, वहां विमानों की आवाजाही न के बराबर रही। एक रनवे पर आवाजाही बिल्कल नहीं हुई वहीं एक अन्य रनवे से केवल दो उडानें भरी जा सकी।

दिल्ली में गैस सिलेंडर से भरा ट्रक पलटा, राजधानी के इस रास्ते पर ट्रैफिक प्रभावित

सोमवार को दिल्ली के पश्चिम विहार मेट्रो स्टेशन के पास गैस सिलेंडर ले जा रहा टक हादसे का शिकार हो गया। दिल्ली टैफिक पलिस ने कहा कि पश्चिम विहार मेट्रो स्टेशन के नीचे एक ट्रक के पलट जाने के कारण पीरागढ़ी से पंजाबी बाग की ओर जाने वाले मार्ग पर रोहतक रोड पर ट्रैफिक प्रभावित हुआ है। कृपया इस रास्ते पर

जानें से बचें। नर्ड दिल्ली। सोमवार को दिल्ली के पश्चिम विहार मेट्टो स्टेशन के पास गैस सिलेंडर ले जा रहा ट्रक हादसे का शिकार हो गया। पुलिस ने बताया कि पश्चिमी

रविवार को शन्य रही दश्यता नागरिक उड्डयन मंत्री ज्योतिरादित्य

सिंधिया ने इस मामले में एक्स पर पोस्ट



विहार ईस्ट मेटो स्टेशन के पास ट्रक के दुर्घटना होने की सूचना मिली। घटना की गानकारी मिलते ही मौके पर एक टीम को

पुलिस ने दिया ट्रैफिक अपडेट पुलिस अधिकारी ने कहा कि किसी भी स्थित से बचने के लिए ट्रैफिक को डायवर्ट

किया है कि रविवार को सुबह पांच बजे से नौ बजे के बीच रनवे पर शून्य दृश्यता थी। स्थिति ऐसी हुई कि यात्रियों की

कर दिया। प्रथम दुश्टया ऐसा लगता है कि अन्य वाहनों को बचाने के चक्कर में ट्रक अनियंत्रित हो गया। दुर्घटना के बाद ट्रैफिक की स्थिति के बारे में अपडेट करने के लिए पुलिस ने एक्स पर पोस्ट किया।

कई घंटों के बाद हटा ट्रक दिल्ली ट्रैफिक पुलिस ने कहा कि पश्चिम विहार मेट्रो स्टेशन के नीचे

एक ट्रक के पलट जाने के कारण पीरागढ़ी से पंजाबी बाग की ओर जाने वाले मार्ग पर रोहतक रोड पर ट्रैफिक प्रभावित हुआ है। कृपया इस रास्ते पर जानें से बचें। हालांकि, कुछ घंटों बाद पुलिस ने बताया कि दुर्घटनाग्रस्त ट्रक को मौके से हटा दिया

सुरक्षा को देखते हुए कैट 3 सुविधा होने के बाद भी कुछ समय के लिए विमानों की आवाजाही रोकनी पडी।

दरअसल, AI बेस्ड कैमरे लगाने का मकसद ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को रोकना और चालान काटने है।

AI का जमाना, ट्रेफिक रूल तोड़ने वालों की खैर नहीं...

परिवहन विशेष। एसडी सेठी।

नर्ड दिल्ली।राजधानी दिल्ली की सडको पर ट्रैफिक नियम का पालन ना करने वालों की शामत आने वाली है। शातिर से शातिर शख्स तक नए सिस्टम से बच नहीं सकेगा। इस आंख से करीब 19 चालान कब कट गए पता ही नहीं चलेगा। बता दें कि आर्टिफिशल इंटेलीजेंस (AI) आनेवाला वक्त एआई का जमाना है।ट्रैफिक रूल तोडकर बचकर निकलने वाले सावधान हो जाए।

दिल्ली की केजरीवाल सरकार का टांसपोर्ट विभाग सडकों पर जल्द ही आर्टिफिशल इंटेलीजेंस आधारित कैमरे लगवाने जा रहा है। जिसकी नजर से ट्रेफिक रूल तोडने वाला कोई भी व्यक्ति बच नहीं सकेगा।

दरअसल, AI बेस्ड कैमरे लगाने का मकसद ट्रैफिक नियमों के उल्लंघन को रोकना और चालान काटने है। बाइक पर रेडलाइट जंप से लेकर ट्रिपल राइडिंग ,सीट बैल्ट, न लगाना,गलत लेन में ड्राइविंग, सेलफोन चलाना, ओवरलोडिंग जैसे तमाम नियमों का उल्लंघन तरंत पता लग जाएगा। इसके अलावा कोई गाडी पॉल्यूशन सर्टिफिकेट



के बिना चल रही है, इंशोरेंस खत्म हो गया है या किसी भी गाडी का वक्त पूरा हो चुका है,फिर भी सडक पर दौड रही है,तो उनकी भी पहचान हो सकेगी। एआई बेस्ड कैमरे 19 अलग-अलग तरह के ट्रैफिक रूल्स के भंग करने वालों का पता लगाकर चालान काट

दिल्ली ट्रांसपोर्ट इन्फ्रास्टक्चर डिवलेपमेंट कॉर्पोरेशन ने एआई बेस्ड



कैमरे लगाने के टेंडर जारी कर दिए है।प्राईवेट कंपनी ये पुरा सिस्टम इंस्टाल करेगी। राजधानी दिल्ली में ज्यादा से ज्यादा जगहों पर नए कैमरे लगाने की कोशिश होगी,ताकि यातायात नियमों का उल्लंघन रोका जा सके। इन कैमरों के सामने से गुजर रही हर गाडी की नंबर प्लेट और अंदर बैठे लोगों पर सीधी

कोई भी ट्रेफिक नियम का उल्लंघन



पाए जाने पर ऑटोमेटिक ई-चालान जनरेट हो जाएगा।चालान काटने पर गाडी के ओनर के रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर मैसेज चला जाएगा । इतना ही नहीं ये सिस्टम गाडियों के ट्रैफिक नियम उल्लंघन की पुरानी हिस्ट्री भी खंगालेगा।अगर पिछले चालान नहीं भरे है तो रिपोर्ट करेगा। बताया जा रहा है कि इन कैमरों की एक्युरेसी 95 फीसदी

उल्लेखनीय है कि दुनियां के बडे देशों में आर्टिफिशल इंटेलीजेंस (AI) ट्रांसपोर्ट इंडस्ट्री में क्रांति ला रहा है। कई देशों में ट्रैफिक को सुरक्षित और स्मार्ट बनाने के लिए काम किया जा रहा है। इनमें चीन, अमेरिका,यूरोपीय संघ के देशो में बड़े स्तर पर एआई बेस्ड कैमरो का काफी पहले ही इस्तेमाल किया जा रहा है।इससे टैफिक सिस्टम में खासा सुधार देखने को मिला है।

धिज्यधीफेलिबरलाइजेशनएंड विवाग्ययपाडाइडोहस्ट (पंजीकृत)

TOLWA

website : www.tolwa.in Email: tolwadelhi@gmail.com bathlasanjaybathla@gmail.com

रजिस्टर्ड अंडर सैक्शन ६० विद रजिस्ट्रेशन नंबर (152/02-03-2020), एमएसएमई रजिस्ट्रेशन नंबर उद्यम -डीएल -0026470, नीति आयोग रजिस्ट्रेशन नंबर वीओ/ एनजीओ/0303274/25-01-2022 दर्पण

रजिस्टर्ड कार्यालय:- 3, प्रियदर्शिनी अपार्टमेंट, ए -4 पश्चिम विहार, न्यू दिल्ली 110063 कॉरपोरेट कार्यालय :– 529, समयपुर, मेंन बवाना रोड, नियर बैंक ऑफ़ बड़ौदा दिल्ली 110042

इनसाइड



40 के बाद महिलाओं का वजन क्यों बढ़ता है ? एक्सपर्ट ने बताई ये वजह

अगर हम अपने आसपास देखें. तो 40 साल से ऊपर की महिलाओं में कम उम्र की महिलाओं की तूलना में वजन बढ़ने की संभावना ज्यादा होती है. न्यूट्रिशनिस्ट अंजलि मुखर्जी ने 40 साल से ऊपर की महिलाओं में वजन बढ़ने के कारणों की वजह बताई है. बेट मैनेजमेंट (Weight management) सबसे मुश्किल कामों में से एक है. फिर चाहे वो परुषों के लिए हो या महिलाओं के लिए. हर कोई एक टाइम के बाद हेल्दी वेट बनाए रखने के लिए मेहनत करता है. वैसे तो वजन कम करने के कई तरीके हैं. लेकिन एक बात जो हमेशा हमारे दिमाग में घर कर जाती है, वो ये कि हमारा वजन क्यों बढ़ रहा है. हम हेल्दी डाइट फॉलो कर रहे हैं, एक्सरसाइज कर रहे हैं और अच्छी लाइफस्टाइल जी रहे हैं, फिर भी वजन बढ़ रहा है, ये समस्या अक्सर परुषों की तलना में महिलाओं में ज्यादा देखी जाती है. महिलाओं का शरीर जटिल होता है. वे टाइम के साथ-साथ कई बदलावों से गुजरती हैं. जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है कई तरह के हार्मीन्स में होने वाले बदलाव और मासिक धर्म

(menstruation) वजन बढाने में योगदान करते हैं और प्रेग्नेंसी के बाद तो कई अन्य कारक भी इसमें महत्वपूर्ण

भूमिका निभाते हैं. अगर हम अपने आसपास देखें. तो 40 साल से ऊपर की महिलाओं में, कम उम्र की महिलाओं की तुलना में वजन बढ़ने की संभावना ज्यादा होती है. आपको हैरानी है कि ऐसा क्यों है, तो हमारे पास आपके सवाल का एक एक्सपर्ट जवाब है. न्युट्रिशनिस्ट अंजलि मुखर्जी

(Nutritionist Anjali Mukherjee) ने अपने इंस्टाग्राम पर 40 साल से ऊपर की महिलाओं में वजन बढ़ने के कारणों की वजह बताते हुए एक पोस्ट साझा की है.

न्यटिशनिस्ट अंजलि मखर्जी के अनसार. "40 से ज्यादा उम्र की महिलाओं में वजन बढ़ने की मुख्य वजह ये है कि उनका मेटाबॉलिज्म स्लो हो जाता है. वे कैलोरी को उतनी कुशलता से नहीं बर्न कर पातीं, जितना उन्होंने कुछ साल पहले किया था. यहां तक कि जो महिलाएं एक्सरसाइज करती हैं. उनको भी पेट आसपास में वजन बढने का अनुभव होता है." 40 के बाद भी स्वस्थ वजन बनाए रखने में

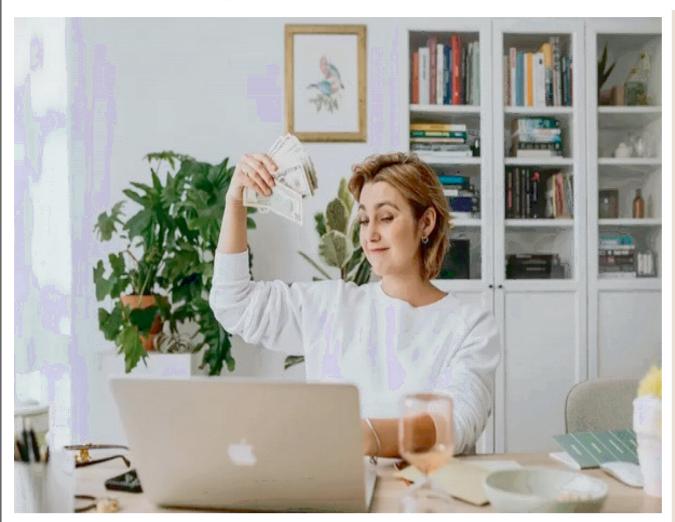
मदद करने वाली आदतों पर जोर देते हए. न्यदिशनिस्ट ने कछ सरल और उपयोगी टिप्स साझा किए.

40 के बाद कैसे पाएं हेल्दी वेट

- -अगर आप स्नैक लेना चाहते हैं, तो नटस और बीज लें, जैसे बादाम, अखरोट, कद्द के बीज और सुरजमुखी के बीज.
- हमारे शरीर को एक्टिव रहने और मेटाबॉलिज्म बढ़ाने के लिए भरपूर प्रोटीन की ज़रूरत होती है, इसलिए प्रोटीन का इनटेक (सेवन) बढ़ाएं.
- दिन में सिर्फ 30 मिनट एक्सरसाइज करने से आप अपना वजन कम कर सकते हैं और ताकत और लचीलेपन पा सकते हैं. – फाइबर से भरपूर डाइट लें. अपनी डाइट में दिन में एक या दो बार सब्जा, चिया बीज
- या इसबगोल को शामिल करें. - न्युट्रिशनल डेफिसेंसी (पोषक तत्वों की कमी) से लड़ने के लिए विटामिन, कैल्शियम और आयरन सप्लीमेंटस लें. – अगर बाहर खाना खा रहे हैं, तो अनाज
- रोजाना साबृत अनाज, साबृत दाल, ताजे फल और ताजी सब्जियों का सेवन करें. - कम से कम 8 घंटे की अच्छी नींद लें.

लेने से बचें.

महिलाओं का फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होना बेहद जरूरी, खुद को मिलेगी नई पहचान, जानें ५ फायदे



आज दुनिया के हर क्षेत्र में महिलाओं का बोलबाला है. ऐसे में ज्यादातर महिलाएं फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होना पसंद करती हैं. कई महिलाएं आज भी आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने के फायदों से अंजान रहती हैं. अगर वे चाहें तो फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट बनकर इसके कई लाभ

आजकल की मॉर्डन लाइफस्टाइल में महिलाओं की भिमका महज हाउस वाइफ बनने तक सीमित नहीं है. ऐसे में ज्यादातर महिलाएं अपने करियर को लेकर भी सीरियस नजर आती हैं. विकंग वमन और बिजनेस वमन अमुमन फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होती हैं. मगर ज्यादातर महिलाएं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होना जरूरी नहीं समझती हैं. इसलिए हम आपसे शेयर करन जा रह ह माहलाओ क फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट होने के कुछ फायदे. जिसे जानकर आप भी जिंदगी को बेहतर बनाने की तरफ पहला कदम बढा सकती हैं.

उठा सकती हैं.

रोजमर्रा के खर्चों में मिलेगी मदद

फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट महिलाएं घर के खर्च में परिवार का हाथ बटां सकती हैं. जहां मंहगाई के इस जमाने में सिर्फ परुषों की सैलरी से घर चलाना मश्किल हो जाता है, वहीं महिलाओं की सैलरी से घर के खर्चे का बोझ आधा लगने लगता है.

खुदपरखर्चकरें

फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट महिलाओं को अपने रोजमर्रा के खर्चों के लिए दसरों पर निर्भर नहीं रहना



शौक परे करने के लिए महिलाओं को

किसी की परमिशन लेने की भी जरूरत

नहीं होती है. ऐसे में महिलाएं शॉपिंग से

लेकर डेली एक्सपेंसेस को खद हैंडल

हाउस वाइफ्स अमुमन घर के काम

गहणियों के काम को अहमियत नहीं

बाद भी घर के ज्यादातर सदस्य

करने में दिन रात एक कर देती हैं. इसके

सभी से मिलेगी रिस्पेक्ट

कर सकती हैं.

आम गहणियां अक्सर शारीरिक और सहना पड़ता है. वहीं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने पर महिलाएं न सिर्फ अपने बल्कि दूसरों के खिलाफ हो रहे

मिलेगी खुद की नई पहचान

मानसिक प्रताडना का शिकार हो जाती हैं. ऐसे में दसरों पर निर्भर होने के कारण महिलाओं को न चाहते हुए भी अन्याय अन्यायों पर भी आवाज उठा सकती हैं

फाइनेंशियली इंडिपेंडेंट वुमन कॉनफीडेंस से भरपूर होती हैं. ऐसे में महिलाएं परिवार से अलग अपनी खद की पहचान रखती हैं और ज्यादातर लोग उन्हें उनके नाम से जानते हैं. वहीं आर्थिक आजादी से महिलाओं का आत्मविश्वास प्रबल होता है और उन्हें जिंदगी में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।

क्या प्रेग्नें सी में आप भी करती हैं बालों को डाई? जान लें इसके नुकसान



प्रेग्नेंसी के बौरान महिलाओं को हर काम सोच-समझ कर करने की सलाह दी जाती है इस समय मां का हर काम आने वाले बच्चे की सेहत को प्रभावित करता है. ऐसे में डाइट हो या कोई फिजिकल एक्टिविटी, उसके हर सकारात्मक और नकारात्मक पहलुओं को देखना जरूरी हो जाता है. हेयर डाई जैसी मामूली चीज भी बच्चे की सेहत पर बुरा असर डाल सकती है. अक्सर महिलाओं को हेयर स्टाइलिंग करवाना अच्छा लगता है. अलग-अलग हेयर कलर और डाई इस्तेमाल करना आजकल फैशन बन गया है, लेकिन प्रेग्नेंसी के दौरान अमोनिया, कोल तार, टॉल्यून और रेसोरिसिनॉल जैसे खतरनाक केमिकल्स से तैयार ये हेयर डाई हानिकारक भी हो सकती है.

प्रेग्नेंट महिलाओं को हेयर डाई कराना चाहिए या नहीं?

स्टाइल क्रेज डॉट कॉम के अनुसार, हेयर डाई में मौजूद केमिकल्स बच्चे के स्वास्थ के लिए हानिकारक हो सकते हैं. डाई में पाया जाने वाला पी-फेनिलिडेनमाइन बर्थ डिफेक्ट्स और लिवर प्रॉब्लम्स का कारण बन सकता है. डाई में इस्तेमाल अमोनिया जैसे हानिकारक केमिकल हार्मोनल इंबैलेंस और रेस्पिरेटरी प्रॉब्लम्स को जन्म ढे सकते हैं. एनसीबीआई की रिसर्च के अनुसार, मां के हेयर डाई इस्तेमाल करने से बच्चे में न्यूरोब्लास्टोमा होने का खतरा बढ़ जाता है. इसके अलावा डाई के उपयोग से बच्चों में जर्म सेल ट्युमर जैसी गंभीर समस्याएं होने की आकांक्षा भी बढ़ सकती है. हेयर डाई बच्चे के लिए हानिकारक है या नहीं ये उसमें मौजूद केमिकल्स और उपयोग के तरीके पर निर्भर करता है।

प्रेग्नेंट महिलाएं हेयर डाई करने से पहले इन बातों का रखें ध्यान

- उपयोग से पहले डाई में मौजब सामग्री के बारे में पढ़ लें. कोई हानिकारक डाई चनने से बेहतर, नेचुरल हेयर कलर्स का इस्तेमाल करें.
- डाई का उपयोग हमेशा चेहरे, गर्दन और कान की त्वचा से बचाकर करें. रिकन से दूरी इनके हानिकारक केमिकल से बचाव कर सकती है,
- एलर्जी या किसी दूसरी समस्या से बचने के लिए कोई भी प्रोडक्ट या कलर अपने डॉक्टर की सलाह के बिना इस्तेमाल न करें

मां बनने के बाद छोटी-छोटी बातें भूलने लगी हैं, तो 'मॉमी ब्रेन' प्रॉब्लम से ऐसे करें बचाव

कई रिसर्च में पाया गया है कि बच्चे को जन्म देने के बाद मा के मस्तिष्क पर काफी असर पड़ता है. कभी-कभी लंबे समय तक इसका असर कायम रहता है. ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के एक अध्ययन में पता चला है कि मां बनने से महिला के याददाशत क्षमता पर स्थाई असर भी पड़ सकता है.

क्या आपके साथ भी ऐसा हुआ है कि आप मां बनने के बाद छोटी छोटी बातें भलने लगीं हैं? कभी ऐसा हुआ हो कि आप कमरे में तेजी से गईं और वहां जाकर भूल गईं कि आप क्यों कमरे में आईं या गाड़ी की चाबी हाथ में हैं और आप परे फ्लैट में चाबी ढंढती रहीं? अगर आप ऐसी समस्याओं से परेशान हो गई हैं तो यह अकेले आपकी ऐसी समस्या नहीं है. दरअसल इस समस्या को मॉमी ब्रेन के नाम से जाना जाता है. वेरीवेलफैमिली के मुताबिक एक स्टडी में पाया गया है कि बच्चे को जन्म देने से मां का मस्तिष्क भी काफी प्रभावित होता है और कभी-कभी लंबे समय तक इसका असर कायम रहता है. ब्रिटिश कोलंबिया विश्वविद्यालय के एक अध्ययन ने भी ये

याददाश्त क्षमता पर स्थाई असर पडता है.

क्या है इस परेशानी की वजह?

कई शोधकर्ताओं ने माना कि ये परिवर्तन एक नई मां को अपने बच्चे की देखभाल करने की क्षमता को बढ़ाने का एक नेचरल तरीका होता है. यह भी कहा जा सकता है कि मस्तिष्क में ये परिवर्तन दरअसल नई माताओं को बच्चे की ज़रूरतों को अपनाने और उन्हें पुरा करने के लिए अहम होता है.

मॉमी ब्रेन से उबरने के उपाय धैर्य रखें- शरीर में हुए इस बायोलॉजिकल बदलाव की वजह से आप ख़ुद से परेशान हैं और इरिटेट हो जाती हैं आपको बता दें कि अगर आप थोड़ा धैर्य रखें और किसी भी

पाया गया है कि मां बनने से महिला के काम को परा करने के लिए थोडा एक्स्ट्रा प्लान बनाएं तो मॉमी ब्रेन की समस्या से उबर सकती हैं.

> लिस्ट बनाएं- इस समस्या से बचने के लिए बेहतर होगा कि आप अपने हर काम की लिस्ट बनाएं. इसके लिए आप एक नोटबुक कैरी करें और जब भी कुछ याद आए तो उसे लिख लें. ऐसा करने से आप जरूरी चीजों को भलेंगी नहीं.

प्लान बनाएं- आप पहले से चीजों के लिए प्लान बनाएं और अपनी हर चीज को सही जगह पर रखने की आदत डाल लें. इससे आपका काम काफी आसान बन जाएगा. मसलन, आप अगर सुबह डॉक्टर के पास जाने वाली हैं तो रात में ही सारा सामान तैयार रखें. आप चाभी, वॉलेट आदि

महिलाओं में हार्ट अटैक के

हमेशा एक ही जगह पर रखें आदि.

पर्याप्त नींद जरूरी- नई मांओं की व्यस्तता 24 घंटे की होती है. लेकिन

आपको कुछ इस तरह अपने रुटीन को फॉलो करना है कि आपकी नींद पुरी हो सके. इसके लिए आप परिवार के लोगों की मदद ले सकती हैं और बच्चे के साथ ही सोने और जागने की रुटीन को फॉलो कर सकती हैं. भरपूर नींद आपके ब्रेन को रिलैक्स करेगा और ये बेहतर तरीके से काम

ब्रेन को दें एक स्टा केयर- ब्रेन के लिए आप अपने खानपान पर ध्यान दें और ब्रेन गेम खेलें. ब्रेन गेम आपके दिमाग को एक्टिव रखने का काम करेगा और ये बेहतर तरीके से काम कर सकेंगे. इसके अलावा, आप उन चीजों को डाइट में शामिल करें जिसमें ओमेगा 3 फैटी एसिड हो और भरपूर



देश में चिंताजनक स्थिति! ९ प्रतिशत लोग इस खतरनाक बीमारी का शिकार; एम्स सहित सात बड़े अस्पतालों ने किया अध्ययन

महानगरों में बढ़ते शोर-शराबे के बीच बहरेपन की समस्या भी बढ़ रही है। देश में नौ प्रतिशत लोग बहरेपन से पीड़ित हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर ICMR) की पहल पर एम्स (AIIMS) और देश के छह अन्य शहरों के बड़े चिकित्सा संस्थानों द्वारा मिलकर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है। एम्स के ईएनटी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक ठक्कर ने यह जानकारी दी।

नई दिल्ली। महानगरों में बढ़ते शोर-शराबे के बीच बहरेपन की समस्या भी बढ़ रही है। देश में नौ प्रतिशत लोग बहरेपन से पीड़ित हैं। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर, ICMR) की पहल पर एम्स (AIIMS) और देश के छह अन्य शहरों के बडे चिकित्सा संस्थानों द्वारा मिलकर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है। एम्स के ईएनटी विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक ठक्कर ने यह जानकारी दी।



उन्होंने बताया कि इस अध्ययन में दिल्ली एम्स के अलावा शिमला, शिलॉन्ग, भुवनेश्वर, बेंगलरु, रायपर, भावनगर के अस्पताल शामिल थे। इन जगहों पर 90 हजार लोगों पर यह अध्ययन किया गया, जिसमें 50 प्रतिशत शहरी व 50 प्रतिशत ग्रामीण आबादी को शामिल किया गया।

www.newsparivahan.com

अध्ययन में शामिल सभी लोगों के कान की सनने की क्षमता की जांच की गई। इस दौरान पाया गया कि नौ प्रतिशत लोगों को एक या दोनों कान से सुनने में परेशानी है। अध्ययन में 3.1 प्रतिशत लोग ऐसे पाए गए जिन्हें बहरेपन की समस्या बहुत ज्यादा थी।

बहरेपन के लिए ध्वनि प्रदषण भी

अध्ययन में यह पाया गया कि अधिक उम्र के लोगों और बुजुर्गों को बहरेपन की समस्या अधिक है। उन्होंने कहा कि देश में बहरेपन की स्थिति को जानने के लिए पहली बार इतने बड़े स्तर पर अध्ययन किया गया

है। बहरेपन के लिए ध्वनि प्रदुषण तो जिम्मेदार है ही, इसके अलावा कई अन्य कारण भी हो सकते हैं।

तंबाकु भी है जिम्मेदार

उन्होंने कहा कि तंबाकू खाना भी इसका एक कारण हो सकता है। तंबाकु खाने से लोगों के नर्वस सिस्टम पर असर पड़ता है। ऐसे में तंबाक़ के दुष्प्रभाव से कान के आसपास का हिस्सा भी प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा देश में पहले की तुलना में जीवन प्रत्याशा बढी है ।

50 वर्ष से अधिक उम्र के लोग ज्यादा

50 वर्ष से अधिक उम्र वाले लोगों में बहरेपन की समस्या अधिक होती है। ऐसे में जीवन प्रत्याशा में बढोतरी भी इसका एक कारण हो सकता है। इसके अलावा ऊंची आवाज में स्पीकर, लाउड स्पीकर इत्यादि बजाना बहरेपन का कारण बन रहा है। अध्ययन में पाया गया कि अब कान बहने की बीमारी पहले की तुलना में बहुत कम हो गया है। इसका कारण शरीर की स्वच्छता और साफ सफाई बढना है।

दिल्लीवासियों के लिए बड़ी खुशखबरी! रोजगार की दिशा में एलजी ने उठाया बडा कदम

सोमवार को दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने रानी खेड़ा में 147 एकड़ जमीन को इंडस्ट्रियल हब के विकसित करने के लिए मंजूरी दे दी। इससे दिल्ली में बड़े स्तर पर रोजगार के रोजगार के द्वार खुल गए हैं। यहां पर आईटी आईटीईएस और रिसर्च जैसी सर्विस इंडस्टी स्थापित की जाएंगी। संभावना है कि इसमें कई क्लस्टर भी होंगे जहां बह मंजिला इमारतें बनाई जाएंगी।

नईदिल्ली।राजधानी के लोगों के लिए बड़ी खुशखबरी है। दिल्ली में बड़े स्तर पर रोजगार के रोजगार के द्वार ख़ुल गए हैं। राजधानी में इंडस्ट्रियल हब बनाने के लिए मंजुरी मिल गई है। सोमवार को दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना ने रानी खेड़ा में 147 एकड़ जमीन को इंडस्ट्रियल हब के विकसित करने के लिए मंजरी दे दी। उत्तर पश्चिमी दिल्ली के रानी खेडा इलाके में 147 एकड जमीन 2007 में डीडीए से से दिल्ली राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम (डीएसआईआईडीसी) को ट्रांसफर कर दी गई थी। डीएसआईआईडीसी की मल्टी-लेवल मैन्युफैक्चरिंग हब विकसित करने की योजना थी। हालांकि 14 दिसंबर, 2017 को एनजीटी द्वारा लगाए गए रोक के कारण यह परियोजना तब तक अटकी रही, जब तक कि सुप्रीम कोर्ट ने 31 जुलाई, 2023 को एनजीटी के आदेश को रद्द नहीं कर दिया। कानूनी बाधाएं दूर होने के बाद दिल्ली सरकार के उद्योग विभाग ने डीएसआईआईडीसी द्वारा औद्योगिक क्षेत्र के रूप में विकास के लिए रानी खेडा को अधिसचित करने के लिए 3 जनवरी को सक्सेना की मंजूरी मांगी। बता दें कि दिल्ली के अंदर रोजगार के नए अवसर पैदा करने के लिए नए साल की शुरुआत में दिल्ली सरकार ने बड़ा कदम उठाया था। वर्षों से लटकी रानीखेडा में 147 एकड जमीन पर औद्योगिक हब बनाने की योजना को 02 जनवरी को केजरीवाल सरकार ने मंजरी दे दी थी।

दिल्ली में तेंदुआ दिखने से हड़कंप, लोगों से घरों में रहने को लेकर की जा रही अपील; वन विभाग खोज में जुटा



परिवहन विशेष न्यूज

बवाना थाना क्षेत्र में सोमवार की रात तेंदुआ देखे जाने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान आसपास के लोगों को घरों में रहने की अपील करने के बाद पुलिस टीम मौके से चली गईं। वहीं वन विभाग के एक आलाधिकारी का कहना है कि उनके पास ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली है। सचना मिलते ही टीम मौके पर जाएगी।

दिल्ली। बवाना थाना क्षेत्र में सोमवार की रात तेंदुआ देखे जाने की सचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। इस दौरान आसपास के लोगों को घरों में रहने की अपील

करने के बाद पुलिस टीम मौके से चली गई। वहीं, वन विभाग के एक आलाधिकारी का कहना है कि उनके पास ऐसी कोई जानकारी नहीं मिली है। सचना मिलते ही टीम मौके पर जाएगी।

बवाना सेक्टर-3 स्थित राजीव रत्न आवास के पास तैनात सुरक्षा गार्ड प्रदीप कुमार ने बताया कि तीन लील गाय के पीछे एक तेंदुआ को भागते हुए देखा। इसकी सचना पलिस कंटोल रूम को दी। सूचना पर पुलिस आई, कुछ दूर तक जाकर उन्होंने तेंदुआ को देखने की कोशिश की, लेकिन तेंदुआ नहीं मिलने पर पुलिस वापिस चली गई।

सुरक्षा गार्ड के इस दावे के

लोगों में दहशत का माहौल है। पलिस लोगों से घरों के अंदर रहने को लेकर अपील कर रही है। इससे पहले जीटी करनाल हाइवे पर अलीपुर के पास एक तेंदुआ की मौत गाड़ियों के चपेट में आने से हो गई थी।

वहीं कई बार अलीपुर स्थित मुखमेलपुर, अलीपुर समेत आसपास के कई गांव में तेंदआ देखे जाने की बात भी सामने आई थी। उस समय वन विभाग की टीम ने खेतों से फुट प्रिंट भी लिए थे। बार-बार इस तरह की खबर मिलने से लोग खौफजदा है। स्थानीय लोग वन विभाग से सर्च आपरेशन बडे स्तर पर चलाकर तेंदुआ को पकड़ने की मांग कर

राम मंदिर से एक लाख करोड़ का होगा कारोबार, प्राण प्रतिष्ठा पर अयोध्या ही नहीं; दिल्लीवासियों की भी होगी मोटी कमाई

अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान श्रीराम के विग्रह की प्राण प्रतिष्टा अनुष्टान के चलते देश भर में व्यापार में भारी वृद्धि होने का अनुमान लगाया जा रहा है। सिर्फ दिल्ली में ही 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार की संभावना है। कैट ने देश के 30 शहरों से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर अपने अनुमान को संशोधित

नई दिल्ली। अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान श्रीराम के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा अनुष्ठान के चलते देश भर में व्यापार में भारी वृद्धि होने का अनुमान लगाया जा रहा है। पहले कन्फेडरेशन ऑफ आल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) ने 50 हजार करोड़ रुपये के व्यापार का अनुमान लगाया था, लेकिन देशभर में बने उत्साह को देखते हुए अब एक लाख करोड़ रुपये के व्यापार होने की उम्मीद जताई जा रही है।

दिल्ली में 20 हजार करोड़ के कारोबारका अनुमान

सिर्फ दिल्ली में ही 20 हजार करोड़ रुपये से अधिक के कारोबार की संभावना है। कैट ने देश के 30 शहरों से प्राप्त सचनाओं के आधार पर अपने अनुमान को संशोधित किया है। कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने इसको देश के व्यापारिक इतिहास की दुर्लभ घटना बताते हुए कहा कि आस्था और विश्वास के बल पर देश में व्यापार वृद्धि की यह सनातन अर्थव्यवस्था बडी मात्रा में कई नए व्यापार का सृजन कर रही है।



उन्होंने कहा कि राम मंदिर के प्रति व्यापारियों एवं अन्य वर्गों के अनुराग और समर्पण की वजह से देशभर में 22 जनवरी तक व्यापारी संगठनों की ओर से 30 हजार से अधिक विभिन्न कार्यक्रम होने जा रहे हैं: जिसमें बाजारों में शोभायात्राएं, श्रीराम पैदल यात्रा, श्री राम रैली, श्री राम फेरी, स्कूटर व कार रैली व श्री राम चौकी सहित कई आयोजन होंगे।बाजारों को सजाने के लिए श्रीराम झंडे, पटके, टोपी, टीशर्ट, राम मंदिर की आकृति के छपे कुर्ते आदि की जबरदस्त

इसी तरह बड़े पैमाने पर म्यूजिकल ग्रुप, ढोल, ताशे, बैंड, शहनाई व नफीरी आदि बजाने वाले कलाकार आने वाले दिनों के लिए बुक हो गए हैं, वहीं शोभायात्रा के लिए झांकियां बनाने वाले कारीगरों और कलाकारों को भी बड़ा काम मिला है। मिट्टी व अन्य वस्तुओं से बने करोड़ों दीपकों की मांग है। बाजारों में रंग-बिरंगी रोशनी करने व फलों की सजावट आदि की भी बड़े पैमाने पर व्यवस्था हो रही है।

कारोबारी की उम्मीद

भंडारे आदि के आयोजन से सामान एवं सेवाओं के जरिये कुल एक लाख करोड़ रुपये का व्यापार होने का अनमान है। खंडेलवाल ने कहा कि दिल्ली में एक सप्ताह में दिल्ली के बाजारों में 200 से अधिक श्रीराम संवाद कार्यक्रम होंगे। लगभग 1000 से अधिक श्रीराम चौकी श्रीराम कीर्तन, श्री सुंदरकांड का पाठ, 24 घंटे का अखंड रामायण पाठ, 24 घंटे का अखंड दीपक प्रज्वलन व भजन संध्या सहित बड़े स्तर पर धार्मिक कार्यक्रम

रामराज्य दिवस का संदेश नशा मुक्त हो भारत देश..

डॉ हृदयेश कुमार

फ़रीदाबाद अखिल भारतीय मानव कल्याण टस्ट के संस्थापक डॉ हृदयेश कुमार ने लोगों से रामराज्य दिवस का संदेश नशा मुक्त हो भारत देश..

नारा दे कर आहवान किया है और प्रधान मंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी को बहुत बहुत हार्दिक शुभकामनाएं और बधाई देते हुए आभार जताया है कि भारत सरकार ने एक नया इतिहास रचा है इसके लिए आपको अखिल भारतीय मानव कल्याण ट्रस्ट की पुरी टीम की तरह से सादर अभिवादन करते हैं।

भारतवर्ष के लिए 22 जनवरी का दिन बेहद शभ है इतिहास के पन्नों में महापर्व का अंकन सुनहरे अक्षरों में होगा,इस दिन अयोध्या में 500 साल के धार्मिक संघर्ष के बाद रामलला की मूर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी,इस धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत

16 जनवरी से होगी इसके लिए महाभाव पर्ण तैयारी की जा रही है ज्योतिषीयों की माने तो पौष माह के शुक्ल पक्ष की द्वादशी तिथि पर एक दो नहीं बल्कि 7 शुभ और अद्भुत संयोग बन रहे हैं इन योग में रामलला की मर्ति की प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी, इसीलिए इस पवित्र दिन केंद्र सरकार से सभी सनातनी अनुरोध करते हैं, कि पूरे देश में मांसाहार की सभी दुकानें बंद रखी जाएं, पर्ण रूप से नशाबंदी की जाए राम राज्य दिवस घोषित किया जाए एवं सार्वजनिक अवकाश घोषित किया जाए,ताकि सभी परिवार उत्साह,उमंग एवं जोश से श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा समारोह में धूमधाम से भागीदारी निभा सकें, उपरोक्त बात सोसाइटी योग ज्योति इंडिया व पीपल लाइफ सोसायटी के संयुक्त तत्वाधान में 22 जनवरी के पवित्र दिन को अमिट बनाने एवं सनातनी परिवारों को लगातार झंकृत एवं जीवंत



आयोजित प्रेसवार्ता में अंतर्राष्ट्रीय नशा मुक्ति अभियान के प्रमुख योग गुरू ज्योति बाबा ने कही, ज्योति बाबा ने आगे कहा कि पूरे देश ही नहीं बल्कि संपूर्ण विश्व की शोंति समृद्धि एवं एकता का संदेश सभी

असम, छत्तीसगढ और उत्तर प्रदेश के सम्मानित मुख्यमंत्री को 22 जनवरी को ड़ाई डे घोषित करने व कई अन्य राज्यों में आंशिक रूप से शराब बिक्री पर प्रतिबंध लगाने हेतु बधाई दी है। वरिष्ठ

समाजसेवी विकास गौड एडवोकेट व राजेश गुप्ता एडवोकेट ने बताया कि 22 जनवरी श्री राम लला प्राण प्रतिष्ठा समारोह को राष्ट्रीय उत्सव के रूप में मनाने के लिए राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन द्वारा जिलाधिकारी कानपर के माध्यम से 15 जनवरी को दिया जाएगा, उन्होंने देश व दुनिया के सभी सनातनी प्रेमियों से आवाहन किया कि वह 22 जनवरी को दीपावली को बडी दिवाली मनाएं संपूर्ण विश्व को प्रेम व शांति का सनातनी संदेश दें हर घर को जगमग कर दो, उद्घोष गगन में कर दो, मेरे राम आए हैं मेरे राम आए हैं का मंत्र सभी सनातनी आत्मसात करें। ज्योति बाबा ने जोर देकर कहा कि मेरे राम लला 500 साल बाद आ रहे हैं हर भारतीय राम ज्योति जलाएं, नशा मुक्त भारत बनाएं,सभी सनातनी परिवारों को खुशहाल बनाएं।

पार्षद प्रवीण कुमार ने रखा था जिसकी आप

पार्षद अंकुश नारंग ने संस्तुति की थी। वहीं,

दुसरा प्रस्ताव आप पार्षद प्रेम चौहान ने रखा

तहत लोकले शापिंग कांप्लेक्स की डी-

सीलिंग 19 जनवरी से शुरू करने की मांग की

कबक्या-क्याहुआ?

दिल्ली में चार युवकों ने दो दोस्तों को जमकर पीटा, लात-घूंसों के साथ लाठी-डंडे बरसाए; सिर्फ ये थी वजह

जीटीबी एन्क्लेव इलाके में रविवार शाम कंधा टकराने पर चार लोगों ने मिलकर दो दोस्तों को लात-घूंसों से पीट दिया। बाद में डंडों से उनपर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। दोनों को लहुलुहान करने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। घायल हालत में तपन कुमार व उसके दोस्त सौरभ को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया।

दिल्ली। जीटीबी एन्क्लेव इलाके में रविवार शाम कंधा टकराने पर चार लोगों ने मिलकर दो दोस्तों को लात-घुंसों से पीट दिया। बाद में डंडों से उनपर ताबड़तोड़ हमला कर दिया। दोनों को लहुलुहान करने के बाद आरोपित मौके से फरार हो गए। घायल हालत में तपन कुमार व उसके दोस्त सौरभ को इलाज के लिए जीटीबी अस्पताल में भर्ती करवाया। जहां दोनों का इलाज चल रहा है। तपन की शिकायत पर जीटीबी एन्क्लेव थाना पुलिस ने गैर इरादतन हत्या की धारा में प्राथमिकी की है । सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालकर आरोपितों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। तपन कुमार अपने परिवार के साथ दिलशाद गार्डन में रहता है। वह ट्रैवल एजेंसी में नौकरी करता है। वह रविवार शाम छह बजे अपने दोस्त सौरभ के साथ जीटीबी एन्क्लेव स्थित एफ ब्लॉक में बनी मार्केट में सामान खरीदने के लिए गया था। वह दकान पर सामान खरीदने लगा। उसका दोस्त कछ सामान लेने के लिए आगे जाने लगा, तभी उसका कंधा एक युवक से टकरा गया। उसने उसके साथ गाली-गलौज करने लगा। विरोध करने पर युवक व उसके तीन जानकारों ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर तपन भी वहां पहुंचा और अपने दोस्त को बचाने लगा। चारों ने मिलकर उसे भी घेर लिया और जमीन पर लेटाकर बुरी तरह से पीट दिया।

एमसीडी की बैठक में जमकर हंगामा: सदन में पास हुए की प्रस्ताव, निगम सचिव को बीजेपी पार्षदों ने कमरे में किया बंद

दिल्ली नगर निगम (Delhi Municipal Corporation) की बैढक एक बार फिर हंगामा और धक्का-मुक्की भाजपा व आप पार्षदों के बीच हुई। दिनभर की मशक्कत के बाद तीसरी कोशिश में महापौर डॉ. शैली ओबेराय धक्का-मुक्की के बीच निगम सदन में अपने आसन के पास पहुंची और सदन के एजेंडे को पास करने की जानकारी दी। महापौर जैसे ही सदन में पहुंची तो भाजपा पार्षद महापौर के आसन पर चढ़ गए।

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम की बैठक एक बार फिर हंगामा और धक्का-मुक्की भाजपा व आप पार्षदों के बीच हुई। दिनभर की मशक्कत के बाद तीसरी कोशिश में महापौर डॉ. शैली ओबेराय धक्का-मुक्की के बीच निगम सदन में अपने आसन के पास पहुंची और सदन के एजेंडे को पास करने की जानकारी दी।

एजेंडे में स्थायी समिति की शक्तियां सदनको दिए जाने के साथ ही लोकल शॉपिंग कांप्लेक्स में ज्युडिशियल कमेटी के आदेश के तहत डी-सीलिंग की प्रक्रिया शुरू करने का प्रस्ताव पारित किया गया। सोमवार को सदनकी बैठक वैसे तो दो बजे बुलाई गई थी। महापौर के आसन पर चढ़ गए

ऐसे में दोपहर 2.27 बजे महापौर जैसे ही सदन में पहुंची तो भाजपा पार्षद निगम एक्ट के खिलाफ सत्तारुढ़ पार्टी पर कार्य करने का आरोप लगाते हुए महापौर के आसन पर चढ़ गए। दसरी बार फिर 3.12 बजे महापौर पहुंची तो दूसरी बार भी यही स्थिति उत्पन्न हो गई। ऐसे में महापौर को दो बार सदन से बिना आसन पर बैठे ही बैरंग लौटना पडा। भाजपा पार्षदों इन्हें कमरे में किया

इस बीच सदन की बैठक में दिनभर

भाजपा और आप पार्षद एक-दूसरे के खिलाफ नारेबाजी करते रहे तो वहीं, नेता विपक्षराजा इकबाल सिंह के नेतृत्व में भाजपा के पार्षद निगम सचिव के कार्यालय के बाहर कुर्सी लगाकर बैठ गए और निगम सचिव शिवा प्रसाद और सहायक निगम सचिव मुकेश कुमार को कमरे से बाहर नहीं आने

इस बीच पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी पहुंचे और उनके हस्तक्षेप के बाद निगम सचिव के कमरे के बाहर से भाजपा पार्षदों को मनाकर हटा दिया गया। इसके बाद निगम सचिव जब शाम को सदन में पहुंचे तो फिर भाजपा पार्षदों ने हंगामा कर दिया। इससे वह अपनी कुर्सी से उठकर दूसरी तरफ खड़े हो

महापौरशाम6.20मिनटपरतीसरीबार जब दूसरे दरवाजे आप पार्षदों के घेरे में सदन में पहुंची और धक्का मुक्की के बीच वह अपने आसन तक पहुंच गई। यहां पर उन्होंने दोनों प्रस्तावों को पास करने और निगम सदन की बैठक अगली तारीख तक स्थगित कर दी। यहप्रस्तावहुएपारित

दिल्ली नगर निगम की सदन की बैठक में जो प्रस्ताव पारित हुए हैं वह प्राइवेट मेंबर बिल है। स्थायी समिति का गठन होने तक पांच करोड़ से अधिक की राशि के कार्यों की वित्तीय मंजरी की शक्ति सदन को देने का प्रस्तावपारितकियागया है। यह प्रस्ताव आप



2.10 भाजपा और आप के पार्षद सदन में पहुंचने शुरू हुए। था। इसमें ज्यूडिशियल कमेटी के आदेश के

2.27 पर महापौर सदन में पहुंची लेकिन भाजपा पार्षदों के हंगामे के बाद वापस लौट

3.12 पर महापौर पुनः सदन में पहुंची लेकिन हंगामे के चलते आसन तक नहीं पहुंच

3.40 पर भाजपा पार्षद निगम सचिव कार्यालय के बाहर बैठक गए और निगम सचिव को आने नहीं दिया। 4.55 पर दिल्ली पलिस के अधिकारी

निगम सचिवकार्यालय पर पहुंचे और भाजपा पार्षदों को वहां से मनाकर हटाया। 5.32 पर निगम सचिव निगम सदन में

पहुंचे, लेकिन भाजपा पार्षदों के हंगामे के चलते वह अपनी कुर्सी पर बैठ नहीं पाए। 6.20 पर महापौर निगम सदन में आप

पार्षदों के घेरे के बीच पहुंची। 6.21 पर महापौर के सदन के पहुंचने पर आप पार्षदों और भाजपा पार्षदों के बीच

धक्का मुक्की हुई। 6.22 पर महापौर ने सदन में प्रस्तावों के

पारित होने की जानकारी देते हुए बैठक को स्थगित कर दिया।

दिल्ली-एनसीआर के लोगों पर ठंड और प्रदूषण का डबल अटैक, नोएडा में ५ डिग्री तक लुढ़का पारा

www.newsparivahan.com





परिवहन विशेष न्यूज

दिल्ली-एनसीआर में कडाके की टंड और कोहरे का दौर जारी है। सोमवार को औद्योगिक नगरी में कई इलाकों में कोहरा छाया रहा। हालांकि शीतलहर ने अधिक परेशान किया। सुबह कई दिन से घना कोहरा छा रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक शीतलहर दो दिन और चलेगी। निचले तापमान में गिरावट आ सकती है। सुबह घना कोहरा छाया रहेगा।

नोएडा।दिल्ली-एनसीआर में कड़ाके की ठंड और कोहरे का दौर जारी है। आज सोमवार को औद्योगिक नगरी में कई इलाकों में

कोहरा छाया रहा। हालांकि शीतलहर ने अधिक परेशान किया। सुबह कई दिन से घना कोहरा छा रहा है।

सुबह इसकी तीव्रता अधिक देखी जाकी है। हालात यह हैं कि अधिकतर इलाकों में सुबह 10 बजे तक आसमान साफ नहीं हो पाता है। कोहरे की सफेद चादर बिछी से एक्सप्रेस-वे समेत शहर के अंदरूनी इलाकों में दृश्यता कम होने से वाहन चालकों को भी परेशानी होती है।

सोमवार को भी अधिक घना कोहरा छाया। असर यह हुआ कि बाजार या दुकानें देर से खुलीं। निचला तापमान पांच डिग्री रिकॉर्ड किया गया। जबकि अधिकतम तापमान सामान्य

होकर 15 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड

मौसम विभाग के मुताबिक शीतलहर दो दिन और चलेगी। निचले तापमान में गिरावट आ सकती है। सुबह घना कोहरा छाया रहेगा। खुली जगहों पर सुबह और देर रात अधिक मार

बहुत खराब श्रेणी में AQI ग्रेटर नोएडा में एयर क्वालिटी इंडेक्स (एक्यूआइ) 395 के साथ बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। वहीं नोएडा में एयर क्वालिटी इंडेक्स 383 के साथ बहुत खराब श्रेणी में दर्ज किया गया। ठंड के साथ बढ़ते हुए प्रदूषण से शहरवासियों पर दोहरी मार पड रही है।

इतिहास के जुल्म और अत्याचार से हिंदुओं को पांच सौ साल बाद न्याय मिला है

22 जनवरी को अयोध्या में होने वाली राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा कई मायनों में एक नई शुरुआत है।प्राण प्रतिष्ठा को लेकर विपक्ष की पार्टियों की ओर से भाजपा पर लगातार हमले हो रहें हैं।विपक्षभाजपा पर मंदिर पर राजनीति करने का, अर्थात राजनीति में धर्म को लाने पर आलोचना कर रहा है।विपक्ष अपनी आलोचना से इस मुद्देको एकतरफ़ा पेश करने की कोशिश कर रहा है। विरोधी पार्टियां तर्क दे रही हैं कि धर्मनिरपेक्षदेश में सरकार का इस तरह के समारोह में शामिल होना एक तरह से हिंदुत्व को बढ़ावा देना है जो संविधान के ख़िलाफ़ जाता है और अल्पसंख्यकों की भावनाओं को ध्यान में नहीं लेता। लेकिन विपक्ष की नाराजगी की वजह सिर्फ संविधान की काल्पनिक ख़िलाफ़त नहीं है। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के कई पहलू हैं जिन पर गौर करना जरूरी है। इन पहलुओं से विपक्ष की नाराजगी की असली वजह भी सामने आती है।

सबसे पहले, अयोध्या में प्रभु श्री राम के जन्मस्थान पर भव्य मंदिर का निर्माण होने से इतिहास में हुए जुल्म और अत्याचार के लिए हिन्दुओं को पांच सौ साल बाद न्याय मिला है। यह सिर्फएक ऐतिहासिक ग़लती का सुधार नहीं है बल्कि लगातार एक हजार वर्षों से हो रहे विदेशी आक्रमणों के दर्द से बाहर निकलना भी है। इसके साथ ही यह राम मंदिर भारतीय सांस्कृतिक मूल्यों के अभिमान का प्रतीक है। भारत को आजादी

मिलने के बाद भी गुलामी की मानसिकता सेबाहर आने में देश के लोगों को काफ़ी वकृत लगा है। देश को अंग्रेज़ों से 1947 में आजादी मिलने का मतलब यह नहीं है कि भारत उसी वर्ष अस्तित्व में आया।सीधे तौर पर इस बात को कहे बिना विपक्ष का रुख़ इस प्रकार रहा है जो अप्रत्यक्ष रूप से हजारों साल पुरानी भारत की संस्कृति को नकारता आया है। लेकिन अब देश की ज्ञयादातर जनता न सिर्फ अपने भारतीय होने पर गर्व करती है बल्कि भारतीय संस्कृति से भी जयादा से जयादा जुड़ रही है।

दूसरा, विपक्ष इस मंदिर के निर्माण को एक विभाजनकारी कदम के तौर पर पेश कर रहा है जो हिंदुत्व के नाम पर हिन्दु धर्म के अंतर्गत आने वाली जाती, जनजाति और उपजाति को ध्यान में नहीं लेता।लेकिन अयोध्या में निर्माण हो रहे राम मंदिर को देखें तो यह तर्क भी ग़लत साबित होता है। प्रभु श्री राम के मंदिर के साथ साथ उसी परिसर में कई और मंदिरों का निर्माण भी हो रहा है। इनमें शिव, अन्नपर्णा, भगवती, गणेश, हनुमान, सूर्य, वाल्मीकि, वशिष्ठ, विश्वामित्र, जटायुँ और शबरी के मंदिर भी शामिल हैं। इनमें से वाल्मीकि, वशिष्ठ, जटाय और शबरी को भारत की कई पिछड़ी जातियां और जनजातियां अपने पूर्वज मानती हैं। हनुमान, जिन्हें कुछ जनजातियां अपना पूर्वज मानती हैं, उनकी भक्ति सभी वर्गों के लोग करते हैं। राम मंदिर सभी हिन्दुओं की आस्था से

जुड़ा है लेकिन साथी ही यह हिन्दू धर्मकी विविधता का समावेशी भी है।

तीसरा. जातियों की पारंपारिक विविधता को ध्यान में रखने के साथ ही यह मंदिर निर्माण प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए जातियों के वर्गीकरण का भी प्रतिनिधित्व करता है। मोदी ने कहा है कि उनके लिए और उनकी सरकार के लिए चार जातियां महत्त्वपूर्ण हैं। ये जातियां हैं ग़रीब, किसान, महिलाएं और युवा। राम मंदिर का निर्माण होने के साथ साथ अयोध्या के बुनियादी ढाँचेकाभीकाफ़ीविकास हुआ है जिनमें रेलवे स्टेशन और हवाई अड्डा भी शामिल हैं। राम मंदिर की वजह से अब अयोध्या भारत के प्रमुख तीर्थस्थान के तौर पर उभरा है जिससे पर्यटन को लगातार बढावा मिलेगा। पर्यटन को बढावा मिलने से अयोध्या और उसके आस पास के इलाक़ों में छोटे-बडे उद्योगों को भी बढावा मिलेगा । इसमें

विपक्षी पार्टियां, विशेषतः क्षेत्रीय दल, अपनी राजनीति के लिए जाती या वर्ग विशेष पर निर्भर रहती हूँ जैसे पिछड़ी जातियां और ग़रीब। लेकिन राम मंदिर के निर्माण से अब विपक्ष के इस वोट बैंक पर ज़बरदस्त सेंध लगी है जो उनकी नाराज़गी की असली वजह है।

> होटल, रेस्तरां, ट्रांसपोर्ट, मिठाई की दुकान, पूजा सामग्री की दुकान, फूल की दुकान इत्यादि शामिल हैं। इन उद्योगों को बढ़ावा मिलने से ग़रीब, किसान, महिलाएं और युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त होंगे। इससे मोदी ने अपनी प्राथमिकता में जिन जातियों का ज़क्रि किया है उनका फायदा होगा।

विपक्षी पार्टियां, विशेषतः क्षेत्रीय दल, अपनी राजनीति के लिए जाती या वर्गविशेष पर निर्भर रहती हैं जैसे पिछड़ी

जातियां और ग़रीब । लेकिन राम मंदिर के निर्माण से अब विपक्ष के इस वोट बैंक पर जबरदस्त सेंध लगी है जो उनकी नाराजगी की असली वजह है। राम मंदिर का निर्माण परानी व्यवस्था को चनौती है। राजनीतिक दल संकुचित नज़रिए से जातियों का विकास करने की बजाए उनका चुनाव जीतने के लिए इस्तेमाल करते थे। राम मंदिर से जहां एक तरफ़ करोड़ों हिन्दुओं की भावनाओं का सम्मान हो रहा है, वहीं भारत की राजनीति भी बदल रही है। राम मंदिर से दो महत्त्वपूर्ण संदेश जाते हैं। एक तो हिन्दु धर्म का अभिमान होना उसकी विविधताओं को नकारना है। दूसरा, आस्था का सम्मान करने का मतलब विकास को नजरअंदाज करना नहीं होता। राम मंदिर यह साबित करता है कि आस्था और विकास एक दूसरे से जुड़े हैं। इसीलिए राम मंदिर का निर्माण पूरे देश के लिए

नोएडा-ग्रेटर नोएडा में इस दिन नहीं बिकेगी शराब, डीएम ने जारी किया आदेश

अयोध्या में श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन नोएडा और ग्रेटर नोएडा में शराब की दुकानें बंद रहेंगी। गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी ने आदेश जारी किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दिन पूरे प्रदेश में ही शराब की बिक्री पर रोक लगाने का आदेश जारी किया था। अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है।

नोएडा। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह के दिन नोएडा और ग्रेटर नोएडा में शराब की दुकानें बंद रहेंगी। गौतमबुद्ध नगर के जिलाधिकारी ने आदेश

जारी किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस दिन पूरे प्रदेश में ही शराब की बिक्री पर रोक लगाने का आदेश जारी किया था।

अयोध्या में 22 जनवरी को रामलला की प्राण प्रतिष्ठा होनी है। इसी को देखते हुए डीएम ने आदेश जारी किया है। यह आदेश सेना और पैरा मिलिट्टी (अर्धसेना) की कैंटीनों पर भी

सीएम योगी ने 9 जनवरी को राम मंदिर के समारोह को उन्होंने राष्ट्रीय पर्व बताया था। इसे लेकर शराब की दुकानें बंद रखने का निर्देश दिया था।

गौतमबुद्ध नगर के जिला मजिस्ट्रेट मनीष कुमार वर्मा ने आदेश जारी किया कि अयोध्या



में प्राण प्रतिष्ठा समारोह के मद्देनजर शहर में स्थित सभी देशी शराब, विदेशी शराब, बीयर, भांग की खुदरा दुकानें, प्रीमियम खुदरा विक्रेता और मॉडल शॉप या बार, सैन्य और अर्धसैनिक कैंटीन. थोक लाइसेंसधारक और

जनवरी को बंद रहेंगे।

उन्होंने कहा कि इस दिन जिले में सभी नशीले पदार्थों (भांग सहित) की बिक्री पूरी तरह से बंद कर दी जाएगी और लाइसेंसधारक भी बंद रखेंगे। उन्होंने कहा कि आदेश का उल्लंघन करने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी

पति मर गया तो युवक के साथ लिव-इन में रहने लगी महिला, दोनों के बीच हुआ ऐसा कि...

मूलरूप से अलीगढ़ की सुमन देवी नोएडा के चोटपुर कालोनी स्थित एक मकान में किराये का कमरा लेकर रहती थीं। उनके साथ नीरज नामक युवक भी रहता था। दोनों लिव-इन में रहते थे। सुमन की पूर्व में शादी हो चुकी थी और उसकी एक बेटी भी है। पति की मौत के बाद सुमन लिवइन में नीरज के साथ रह रही थीं।

नोएडा।कोतवाली सेक्टर-63 क्षेत्र की चोटपुर कालोनी में लिव-इन में रह रही महिला ने फंदे से लटककर आत्महत्या कर

ली। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को उतारकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और सूचना मृतका के स्वजन

नीरजके साथ लिव-इन में रहती थी महिला

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक अवधेश प्रताप ने बताया कि मूलरूप से अलीगढ़ की सुमन देवी चोटपर कालोनी स्थित एक मकान में किराये का कमरा लेकर रहती थीं। उनके साथ

नीरज नामक युवक भी रहता था। दोनों लिव-इन में रहते थे। रविवार रात मकान मालिक ने सूचना पर पुलिस पहुंची।

कपड़ों की सिलाई का करते थे काम

दरवाजा तोड़ा तो कमरे के अंदर सुमन फंदे पर लटकी हुई थीं। फंदे से उतारकर अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। मकान मालिक ने बताया कि सुमन और नीरज एक कंपनी में कपड़ों की सिलाई का काम करते थे। रविवार शाम को दोनों में किसी बात को लेकर विवाद हो गया।

घटना के बाद से ही नीरज फरार

इसके बाद सुमन ने फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसके पास से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है । नीरज और सुमन ने किराए पर कमरा लेते समय मकान मालिक के सामने खुद को पत्नी और पत्नी के रूप में पेश किया था। घटना के बाद से नीरज फरार है। वहीं पुलिस ने बताया कि सुमन की पूर्व में शादी हो चुकी थी और उसकी एक बेटी भी है। पति की मौत के बाद सुमन लिव-इन में नीरज के साथ रह रही थीं। पुलिस का कहना है कि शिकायत मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गुरुग्राम के इन इलाकों में दो दिन नहीं आएगा पानी, मरम्मत के लिए बंद रहेगा वाटर ट्रीटमेंट प्लांट

वाटर ट्रीटमेंट प्लांट चंद्र-बुढेड़ा में वाल्व और नान-रिटर्न वाल्व के रखरखाव कार्य करने के लिए 24 घंटे का समय निर्धारित किया गया है। इस कारण इस जल उपचार संयंत्र से पानी की आपूर्ति बंद की जाएगी। शहर में 18 और 19 जनवरी को 24 घंटे के लिए जल उपचार संयंत्र से पानी की आपूर्ति पूरी तरह से बंद रहेगी।

गुरुग्राम।शहर में 18 और 19 जनवरी को 24 घंटे के लिए जल उपचार संयंत्र से पानी की आपूर्ति पूरी तरह से बंद रहेगी। गुरुग्राम महानगर विकास प्राधिकरण (जीएमडीए) द्वारा डब्ल्यूटीपी चंदू-बुढेड़ा में वाल्व और नान-रिटर्न वाल्व (एनआरवी) के रखरखाव कार्य करने के लिए 18 जनवरी को सुबह 11 से 19 जनवरी सुबह 11 बजे तक का समय निर्धारित किया गया है। इस कारण इस जल उपचार संयंत्र से पानी की आपूर्ति बंद की जाएगी। जीएमडीए अधिकारियों के अनुसार, सेक्टर चार, पांच, सात, नौ, 11, 12, 81 से 115, दयानंद कालोनी, पुराना गुरुग्राम, लक्ष्मण विहार, छोटी माता और सेक्टर 51 के बूस्टिंग स्टेशन, (सेक्टर 42 से सेक्टर 74, गांव बादशाहपुर) सहित अन्य सेक्टर में पानी की आपूर्ति प्रभावित रहेगी। हरियाणा के बिजली मंत्री रणजीत सिंह चौटाला ने सोमवार को कहा कि बिजली निगम की जगमग योजना के तहत प्रदेश के सभी गांव को लाया जाएगा। सभी गांवों में जगमग योजना के तहत 24 घंटे बिजली आपूर्ति की जाएगी। इसके लिए 15 दिन में टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी।

मुइज्जू ने राष्ट्रवाद को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करवा कर क्या संदेश दिया है?

मालदीव मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी देते हुए राष्ट्रपति के प्रधान सचिव अब्दुल्ला नाजिम इब्राहिम ने कहा कि यह निर्णय युवा पीढ़ी के बीच राष्ट्रवाद के सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति सम्मान को बढ़ावा देने के लिए किया

मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू चीन की यात्रा से लौटने के बाद से भारत के खिलाफ आक्रामक तेवर अपनाये हुए हैं और एक के बाद एक ऐसी घोषणाएं कर रहे हैं जो दर्शा रही हैं कि उनके मन के अंदर भारत के प्रति कितनी कटुता भरी हुई है। मोहम्मद मुइज्जू यह तो चाहते हैं कि उनके देश के लोग देशभक्त बनें लेकिन खुद वह चीन को अपना रिमोट कंट्रोल सौंप आये हैं। हालांकि राजधानी माले की जनता ने मेयर चनाव में राष्ट्रपति को सीधा संदेश दे दिया है कि वह भारत विरोध के पथ पर आगे नहीं बढ़ें लेकिन मुइज्जू तो अपना ईमान बीजिंग को जैसे बेच आये हैं। तानाशाह शी जिनपिंग से मुलाकात करने के बाद मुइज्जू ऐसा प्रभावित हुए हैं कि अब उन्होंने वैसा ही रुख अपने देश में अपनाने का निर्णय ले लिया है। राष्ट्रवादपढ़ायेगी मुइज्जू सरकार

उठाने जा रही है। इसके तहत मुइज्जू सरकार ने आगामी नए शैक्षणिक वर्ष से स्कूली पाठ्यक्रमों में 'राष्ट्रवाद' को एक अलग विषय के रूप में शामिल करने की घोषणा की है। चीन की यात्रा से लौटने के बाद राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने अपने मंत्रिमंडल की जो पहली बैठक की उसमें यह महत्वपूर्ण फैसला किया गया। मंत्रिमंडल के फैसले की जानकारी देते हुए राष्ट्रपति के प्रधान सचिव अब्दुल्ला नाजिम इब्राहिम ने कहा कि यह निर्णय युवा पीढ़ी के बीच राष्ट्रवाद के सिद्धांतों और मूल्यों के प्रति सम्मान को

इसके लिए मालदीव की सरकार कई बड़े कदम

बढ़ावा देने के लिए किया गया है। नाजिम ने कहा कि हमारा लक्ष्य एक ऐसी पीढ़ी तैयार करना है जो राष्ट्रवाद से परिचित हो और देश के प्रति प्रेम रखे। उन्होंने कहा कि मालदीव राष्ट्रवाद को पुनर्जीवित करना चाहता है यही कारण है कि सामाजिक परिषद ने राष्ट्रीय पाठ्यक्रम में राष्ट्रवाद को एक अलग विषय के रूप में पढ़ाने का फैसला किया है। नाजिम ने कहा कि मुइज्जू सरकार स्कूलों में राष्ट्रवाद को पाठ्यक्रम में शामिल करने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां तेजी के साथ करेगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा मंत्रालय को इस संबंध में काम शुरू करने का निर्देश दिया गया है।

हम आपको बता दें कि राष्ट्रवाद को एक अलग विषय के रूप में पढ़ाना राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू द्वारा चुनावों के दौरान किये गये प्रमुख वादों में से एक है। मुइज्जू ने चुनावों के समय कहा था कि राष्ट्रवाद विषय को शुरू करके सरकार बच्चों को अनुशासन सिखाएगी। इसके लिए सरकार ने शैक्षणिक वर्ष की तारीखों में बदलाव करने का फैसला भी किया है, जिसके मुताबिक चालु शैक्षणिक वर्ष अप्रैल में समाप्त होगा। नया शैक्षणिक वर्ष 26 मई से शुरू होने होगा। सरकार ने तारीखों में बदलाव इसलिए किया है ताकि उसे नया पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए तैयारियां करने के लिए कुछ और वक्त मिल

कुछ बड़ी घोषणाएं कर सकते हैं मुइज्ज

हम आपको यह भी बता दें कि मुइज्जू चीन से जो निर्देश लेकर आये हैं उसे अमली जामा पहनाने के लिए वह मालदीव की संसद में कुछ बड़ी घोषणाएं कर सकते हैं। इस वर्ष संसद के पहले सत्र की उदघाटन बैठक 5 फरवरी को होगी। मालदीव के संसद सचिवालय के मुताबिक स्पीकर मोहम्मद असलम ने इस साल के पहले सत्र की उद्घाटन बैठक 5 फरवरी को सुबह 9 बजे से तय की है। राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू, जिन्होंने पिछले साल 17 नवंबर को शपथ ली थी, उन्हें संसद की उद्घाटन बैठक में अपना पहला राष्ट्रपति भाषण देना होगा। माना जा रहा है कि इस उद्घाटन भाषण में कई बड़ी घोषणाएं होंगी। हम आपको बता दें कि सरकार को कामकाज संभाले हुए दो महीने से ज्यादा हो गये हैं मगर संसद ने अभी तक कैबिनेट को मंजूरी नहीं दी है। देखना होगा कि संसद क्या उन तीन मंत्रियों का निलंबन वापस लेती है जिनको भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अमर्यादित टिप्पणी करने के चलते निलंबित किया गया

मुइज्जूको लगा चुनावी झटका

जहां तक मुइज्जू को बीजिंग से लौटते ही लगे चुनावी झटके की बात है तो आपको बता दें कि माले के मेयर चुनावों में जनता ने सत्तारुढ़ पार्टी को हरा दिया है। हम आपको यह भी बता दें कि मुइज्जू भी राष्ट्रपति बनने से पहले माले के मेयर थे। उन्होंने मेयर पद से इस्तीफा देकर ही राष्ट्रपति चुनाव लड़ा था। इस बार मेयर चुनाव में जनता ने भारत समर्थक विपक्षी मालदीवियन डेमोक्रेटिक पार्टी (एमडीपी) को शानदार जीत देकर राष्ट्रपति के भारत विरोधी अभियान की सारी हवा निकाल दी है। एमडीपी उम्मीदवार एडम अजीम को माले के नए मेयर

हम आपको यह भी बता दें कि मुइज्जू चीन से जो निर्देश लेकर आये हैं उसे अमली जामा पहनाने के लिए वह मालदीव की संसद में कुछ बड़ी घोषणाएं कर सकते हैं। इस वर्ष संसद के पहले सत्र की उद्घाटन बैठक 5 फरवरी को होगी। मालदीव के संसद

सचिवालय के मुताबिक स्पीकर मोहम्मद असलम ने इस साल के पहले सत्र की उद्घाटन बैठक 5 फरवरी को सुबह 9 बजे से तय

के रूप में चुना गया है। मालदीव मीडिया ने एडम अजीम की जीत को मुइज्जू के लिए राजनीतिक भूकंप के समान बताया है। उल्लेखनीय है कि एमडीपी का नेतृत्व भारत समर्थक पूर्व राष्ट्रपति मोहम्मद सोलिह कर रहे हैं, जो राष्ट्रपति चुनाव में चीन समर्थक नेता मुइज्जू से हार गए थे। मेयर चुनाव की जीत से एमडीपी की राजनीतिक किस्मत फिर से चमकने की उम्मीद है क्योंकि संसद में अब भी उसके पास अच्छी खासी संख्या में सीटें हैं।

ज्यादा आक्रामक हो गये हैं मुइज्ज

जहां तक मुइज्जू की ओर से भारत विरोधी अभियान को हवा देने की बात है तो निश्चित रूप से बीजिंग से लौटते ही वह पहले से ज्यादा आक्रामक दिख रहे हैं। पहले उन्होंने भारत के साथ हालिया विवादों के बारे में पूछे जाने

पर कहा कि हम छोटे (देश) हो सकते हैं, लेकिन इससे आपको हमें धमकाने का लाइसेंस नहीं मिल जाता। उसके ठीक बाद उन्होंने भारत से कहा कि वह उनके देश में तैनात अपने सैन्यकर्मियों को 15 मार्च तक हटा ले। माले की ओर से भारतीय सैनिकों को हटाने की मांग किये जाने के करीब दो महीने बाद राष्ट्रपति ने यह समय सीमा तय की है। नवीनतम सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मालदीव में 88 भारतीय सैन्यकर्मी हैं। हम आपको बता दें कि मालदीव और भारत ने सैनिकों की वापसी पर बातचीत के लिए एक उच्च स्तरीय कोर समूह का गठन किया है। विदेश मंत्रालय ने नयी दिल्ली में बयान जारी करके कहा कि इस कोर समूह ने रविवार सुबह माले स्थित विदेश मंत्रालय के मुख्यालय में अपनी पहली बैठक की।

हम आपको यह भी याद दिला दें कि पिछले साल 17 नवंबर को मालदीव के राष्ट्रपति के रूप में शपथ लेने के तुरंत बाद मुइज्जू ने औपचारिक रूप से भारत से भारतीय सैन्यकर्मियों को मालदीव से वापस बुलाने का अनुरोध किया था। उन्होंने कहा था कि मालदीव के लोगों ने उन्हें नयी दिल्ली से यह अनुरोध करने के लिए 'मजबूत जनादेश' दिया है। इसके साथ ही माले अब नयी दिल्ली के साथ 100 से अधिक द्विपक्षीय समझौतों की भी समीक्षा कर रहा है। साथ ही मुइज्जू ने भारत पर मालदीव की निर्भरता को कम करने की योजनाओं की भी घोषणा की, जिसमें अन्य देशों से आवश्यक खाद्य वस्तुओं, दवाओं और उपभोग की अन्य सामग्रियों का आयात सुनिश्चित करना शामिल है।

बहरहाल, चीन से निकटता बढ़ा रहे मालदीव को लेकर भारत पूरी तरह सतर्क रुख अपनाये हुए है । भारत के पड़ोसियों को बहलाने फुसलाने की कोशिश चीन पूर्व में भी करता रहा है और भारत सरकार ने हमेशा कूटनीति के जरिये चीन की सारी चालों की हवा निकाल दी है। देखना होगा कि मुइज्जू मामले से कैसे निबटा जाता है।

-नीरजकुमारदुबे

इंडिया ड्राइविंग लाइसेंस के साथ इन 10 देशों में कर सकते हैं ड्राइविंग, फॉरेन ट्रिप से पहले जान लीजिए नियम

संयुक्त राज्य अमेरिका अमेरिकी सडको पर भारतीय ड्राइविंग लाइसेंस के उपयोग की अनुमति देता है। ड्राइविंग लाइसेंस देश में प्रवेश के दिन से एक वर्ष के लिए वैध होता है। कनाडा भारतीय नागरिकों को 60 दिनों तक की अवधि के लिए अपने डीएल के साथ गाड़ी चलाने की अनुमति देता है। आइए अन्य देशों के बारे में भी जान लेते हैं।

नर्इ दिल्ली। अगर आप विदेश यात्रा पर जा रहे हैं और आपकी ख्वाहिश है कि वहां जाकर कार चलाएं,तो हम आपके लिए इससे संबंधित कुछ जरूरी जानकारी लेकर आए हैं। कई देश भारतीयों को भारत से अंतरराष्ट्रीय डाइविंग परिमट के बिना भी वैध भारतीय डाइविंग लाइसेंस के साथ अपनी सड़कों पर कार चलाने की अनमति देते हैं। आइए, इनके बारे में जान लेते हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका संयुक्त राज्य अमेरिका अमेरिकी सड़कों पर भारतीय डाइविंग लाइसेंस के उपयोग की अनुमति देता है। डाइविंग लाइसेंस देश में प्रवेश के दिन से एक वर्ष के लिए वैध होता है। हालांकि, ड्राइविंग लाइसेंस भारत की किसी भी क्षेत्रीय भाषा में नहीं हो सकता है और यदि है तो उसका अंग्रेजी में अनुवाद किया जाना चाहिए। यएसए में कार डाइव करने के लिए I-94 फॉर्म भी ले जाना होगा, वैध प्रवेश के

प्रमाण के रूप में कार्य करता है।



ऑस्ट्रेलिया भी न्यू साउथ वेल्स, क्वींसलैंड, दक्षिण ऑस्ट्रेलिया और ऑस्ट्रेलियाई राजधानी क्षेत्र सहित कई जगहों पर एक वर्ष के लिए भारतीय ड़ाइविंग लाइसेंस के उपयोग की अनुमति देता है। हालांकि, उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के लिए लाइसेंस तीन महीने के लिए वैध है।

www.newsparivahan.com

कनाडा भारतीय नागरिकों को 60 दिनों तक की अवधि के लिए अपने डीएल के साथ गाड़ी चलाने की अनुमित देता है, जिसके बाद यदि आप देश में गाडी चलाना जारी रखना चाहते हैं, तो आपको एक अलग परमिट की जरूरत होगी। कनाडा में वाहन सड़क के दाहिनी ओर भी चलाए

भारतीय ड्राइवर का लाइसेंस इंग्लैंड, वेल्स. स्कॉटलैंड और उत्तरी आयरलैंड में प्रवेश के दिन से एक वर्ष के लिए वैध होता है। हालांकि इसको लेकर भी यके में नियम हैं और केवल मोटरसाइकिल और कारों को ही चलाने की अनुमति दी जाती है।

इसके लिए लाइसेंस भी अंग्रेजी में होना चाहिए और आपको सडक के बाईं ओर गाड़ी चलानी होगी।

न्यूजीलैंड एक वर्ष के लिए भारतीय डाइविंग लाइसेंस के उपयोग की अनुमति देता है, जिसके बाद किसी को NZ डाइवर लाइसेंस या अंतरराष्ट्रीय डाइविंग परिमट

की आवश्यकता होगी। न्यूजीलैंड में भारतीय डीएल के साथ गाँडी चलाने के लिए आवश्यक न्युनतम आयु 21 वर्ष है और आपका ड्राइविंग लाइसेंस अंग्रेजी में होना चाहिए।

उपरोक्त देशों की तरह. स्विटजरलैंड भी भारतीय डाइविंग लाइसेंस धारक को एक वर्ष के लिए देश में गाड़ी चलाने की अनुमित देता है। लाइसेंस अंग्रेजी में होनी चाहिए और यहां कारों को सड़क के

दाहिनी ओर चलाना होगा।

स्वीटजरलैंड

जर्मनी में केवल छह महीने के लिए भारतीय डाइविंग लाइसेंस के उपयोग की अनुमित है। ये लाइसेंस या तो अंग्रेजी या जर्मन में होना चाहिए।छह महीने के बाद आपको अंतरराष्ट्रीय ड्राइविंग परिमट या जर्मन डाइविंग लाइसेंस की आवश्यकता होगी।

फ्रांस में भारतीय डाइवर का लाइसेंस एक वर्ष तक के लिए वैध होता है, हालाँकि, किसी को इसका फ्रेंच में अनुवाद करना होगा। इसके अलावा, अधिकांश यूरोप की तरह, फ्रांस में कारों का स्टीयरिंग व्हील बाईं ओर होता है. और कारें सड़क के दाईं ओर

भारतीय ड्राइविंग लाइसेंस के साथ दक्षिण अफ्रीका में एक वर्ष तक गाड़ी चला सकते हैं। डाइविंग लाइसेंस अंग्रेजी में होना चाहिए और देश में कार या मोटरसाइकिल किराए पर लेने के लिए अंतरराष्ट्रीय डाइविंग परिमट की आवश्यकता हो सकती है।

आप भारतीय ड्राइवर लाइसेंस के साथ स्वीडन की खुबसुरत सड़कों पर एक साल तक ड्राइव का आनंद ले सकते हैं।ये डाइविंग लाइसेंस अंग्रेजी या फिर स्वीडन द्वारा अनुमोदित किसी अन्य भाषा में होनी

Tata Punch EV भारतीय बाजार में 17 जनवरी को मारेगी एंट्री, लॉन्च से पहले जान लीजिए ५ खास चीजें

टाटा पंच ईवी को आधिकारिक तौर पर 17 जनवरी को लॉन्च किया जाएगा। आप इसे 21 हजार रुपये का टोकन अमाउंट देकर बुक कर सकते हैं। इसमें स्पेशल एलीमेंट जोड़े गए हैं जो इसके इलेक्ट्रिक नेचर को दर्शाते हैं। डिजाइन की बात करें तो इसमे कोई फ्रंट ग्रिल नहीं है। आइए इससे संबंधित 5 चीजों के बारे में जान लत है।

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स ने हाल ही में भारतीय बाजार के लिए एक नई इलेक्ट्रिक पेशकश Punch EV का खुलासा किया है। स्टैंडर्ड टाटा पंच एक माइक्रो एसयवी है.जो वर्तमान में भारतीय ऑटो मार्केट के अंदर उपलब्ध है।

निर्माता ने अब घोषणा की है कि Tata Punch EV को आधिकारिक तौर पर 17 जनवरी को लॉन्च किया जाएगा। आप इसे 21 हजार रुपये का टोकन अमाउंट देकर बक कर सकते हैं। आइए. इससे संबंधित 5 चीजों के बारे में जान लेते हैं।

Tata Punch EV दो अलग-अलग वेरिएंट्स - Punch.ev और Punch.ev Long Range में उपलब्ध होगी।स्टैंडर्ड मॉडल को पांच टिम लेवल - स्मार्ट, स्मार्ट+,

एडवेंचर, एम्पावर्ड और एम्पावर्ड+ में पेश

वेरिएंट



किया जाएगा। वैकल्पिक रूप से पंच ईवी लॉन्ग रेंज वैरिएंट को तीन टिम लेवल - एडवेंचर. एम्पावर्ड और एम्पावर्ड+ में पेश किया जाएगा।

Tata Punch EV में स्पेशल एलीमेंट जोड़े गए हैं, जो इसके इलेक्ट्रिक नेचर को दर्शाते हैं। डिजाइन की बात करें तो इसमें कोई फ्रंट ग्रिल नहीं है। इसके बजाय, इसमें हुड़ के किनारे पर एक स्लीक एलईडी लाइट स्ट्रिप है, जो डे टाइम रनिंग लैंप के रूप में भी काम करती है।

केबिन डिजाइन और फीचर्स के संदर्भ में

बात करें, तो इसमें हीटेड फ्रंट सीट्स, ऑटो होल्ड के साथ एक ऑटोमैटिक पार्किंग ब्रेक, ब्लाइंड व्यू मॉनिटर, 360-डिग्री कैमरा, हरमन साउंड सिस्टम, वायरलेस चार्जर, पुश के साथ कीलेस एंट्री -बटन स्टार्ट/स्टॉप और ऑटोमैटिक टेंपरेचर कंट्रोल दिया गया है।

परफॉरमेंस

उम्मीद है कि टाटा पंच ईवी एक बार चार्ज करने पर लगभग 300 किमी की डाइविंग रेंज प्रदान करेगी। हालांकि, इसके पावरट्रेन के बारे में विवरण अभी तक सामने नहीं आया है। इस इलेक्ट्रिक एसयूवी को 3.3 किलोवाट वॉल

बॉक्स चार्जर के साथ पेश किया जाएगा। वहीं लॉन्ग रेंज वेरिएंट में 7.2 किलोवाट का फास्ट होम चार्जर शामिल होगा।

प्लेटफॉर्म

टाटा ने एक बिल्कुल नया इलेक्ट्रिक वाहन आर्किटेक्चर बनाया है जिसे 'acti.ev' कहा जाता है।ये एडवांस्ड कनेक्टेड टेक-इंटेलिजेंट इलेक्ट्रिक व्हीकल का संक्षिप्त रूप है। इसका मतलब है कि पंच ईवी में परी तरह से नया इलेक्ट्रिक डिजाइन होगा, जो विशेष रूप से इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए डेवलप किया गया

पेट्रोल पंप पर ऐसे लग जाता है चुटकियों में चूना! धोखाधड़ी से बंचने के लिए फॉलों करें ये टिप्स



पेट्रोल पंप पर धोखाधडी से बचने के लिए कछ चीजों का ध्यान रखना बहत जरूरी है। पेट्रोल पप पर फ्यूल-अप कराने से पहले मीटर पर 0 जरूर चेक कर लें। कई बार ऐसा होता है कि हम जल्दबाजी में ऐसा करना भूल जाते हैं और फिर लोगों की चालाकी का शिकार होना पडता है। आइए इससे जरूरी कुछ सावधानियों के बारे में जान लेते हैं।

नई दिल्ली। पेट्रोल पंप पर धोखाधड़ी से बचने के लिए कछ चीजों का ध्यान रखना बहुत जरूरी है। अक्सर, फ्यूल स्टेशनों पर ऐसी घटनाएं होती रहती हैं। कभी-कभी लोगों से अधिक पैसे वसूले जाते हैं और कभी वाहन के टैंक में सही मात्रा में प्यूल नहीं भरा

मीटर पर जीरो चेक करें पेट्रोल पंप पर फ्यूल-अप कराने से पहले मीटर पर 0 जरूर चेक कर लें। कई बार ऐसा होता है कि हम जल्दबाजी में ऐसा करना भूल जाते हैं और फिर लोगों की चालाकी का शिकार होना पड़ता है। ऐसे में नियम बना लें कि गाड़ी में पेट्रोल/डीजल भराने से पहले मीटर का जीरो चेक करें।

शॉर्ट फ्यलिंग टिक से बचें

अटेंडेंट के लिए एक सामान्य तरकीब यह है कि वह आपके वाहन में आपके द्वारा मांगे गए मुल्य से अधिक मुल्य से भरना शुरू कर दे। उदाहरण के लिए यदि आप 500 रुपये का ईंधन मांगते हैं, तो वे 200 रुपये से भरना शुरू कर सकते हैं और फिर मीटर को रीसेट करने का नाटक कर सकते हैं। ऐसे में आपको घाटा हो सकता है।

सही पेट्रोल पंप चुने

यदि आप कर सकते हैं, तो किसी ऐसे पेट्रोल पंप पर फ्यूल भरने का प्रयास करें, जिसे आप जानते हों और जिस पर आपको भरोसा हो। यदि आप किसी नए क्षेत्र की यात्रा कर रहे हैं, तो यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। रेपटेबल पेट्रोल पंप पर धोखा दिए जाने की संभावना उन पंपों की तुलना में कम है, जहां

Royal Enfield Shotgun 650: दमदार इंजन के साथ 3.59 लाख रुपये में लॉन्च हुई

लेटेस्ट लॉन्च बाइक में 648 सीसी का पेरलल एयरकूल्ड ट्विन सिलंडर इंजन प्रदान किया गया है। यह इंजन 47 पीएस की अधिकतम शक्ति और 52.3 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करता है। इसमें स्लिपर और असिस्ट क्लच के साथ 6 स्पीड ट्रांसिमशन दिया गया है। बाइक तीन वेरिएट में लॉन्च की गई है। आइए इसके इंजन और फीचर्स के बारे में जानते हैं।

नई दिल्ली। रॉयल एनफील्ड ने भारतीय मार्केट में शॉटगन 650 मोटरसाइकिल को लॉन्च कर दिया है। इसे कुछ हफ्तों पहले ही वैश्विक और यूएस के बाजारों में पेश किया गया था। चेन्नई बेस्ड वाहन निर्माता ने इस बाइक को दमदार इंजन के साथ उतारा है। यहां इसी के इंजन और फीचर्स के बारे में जानकारी देने वाले

3.59 लाख रुपये में हुई लॉन्च मोटरसाइकिल को Custom Shed,

Custom Pro और कस्टम स्पेशल वेरिएंट्स में लॉन्च किया गया है। इसके कस्टम शेड वेरिएंट को शीटमेटल ग्रे पेंट स्कीम के साथ 3.59 लाख रुपये की एक्सशोरूम कीमत में लाया गया है।

जबिक कस्टम प्रो वेरिएंट Green Drill और Plasma Blue shades के साथ 3.70 लाख एक्सशोरूम कीमत में आया है। इसके टॉप वेरिएंट के लिए 3.73 लाख रुपये की कीमत एक्सशोरूम निर्धारित की गई है।

इंजन और ट्रांसमिशन

लेटेस्ट लॉन्च बाइक में 648 सीसी का पेरलल एयरकूल्ड ट्विन सिलेंडर इंजन प्रदान किया गया है। यह इंजन 47 पीएस की अधिकतम शक्ति और 52.3 एनएम का पीक टॉर्क पैदा करता है। दावा किया गया है कि ये 22 किमी/प्रति लीटर का माइलेजन देने में सक्षम है। इसमें स्लिपर और असिस्ट क्लच के साथ 6 स्पीड टांसमिशन दिया गया है।

ब्रेकिंग सिस्टम और अन्य फीचर्स

शॉटगन 650 में 18 इंच के फ्रंट और 17 इंच के रियल व्हील दिए गए हैं, इसमें दिए गए ब्रेक इअल चैनल एबीएस के साथ आते हैं। बाइक में फल एलईडी लाइटिंग सिस्टम, ट्रिपर नेविगेशन, यूएसबी चार्जिंग पोर्ट मिलता है।



संपादक की कलम से

सार्वजनिक भूमि का बैंक बनाएं

पर्यटकों को लुभाने की नई रणनीति जरूरी



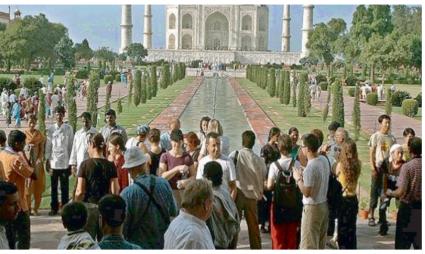
डा . जयंतीलाल भंडारी

यकीनन ८ जनवरी को गूगल सर्च पर भारत के लक्षद्वीप की खोज 20 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचते हुए लक्षद्वीप विश्व पर्यटन मानचित्र पर छाते हुए दिखाई दिया है। इसके पीछे घटनाक्रम यह है कि चार जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समुद्र से घिरे और खूबसूरत लक्षद्वीप पर पहुंचे थे।

हम उम्मीद करें कि सरकार अयोध्या में राम मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक और वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम जैसे आस्था केंद्र स्थलों का देश के कोने-कोने में विकास करेगी और वहां बुनियादी ढांचा व पर्यटन सविधाओं को सगम बनाएगी। निश्चित रूप से ऐसे में देश वर्ष 2030 तक विदेशी पर्यटकों से 56 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा अर्जित करने के लक्ष्य को मुठ्रियों में करने के लिए आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगा

www.newsparivahan.com

यकीनन 8 जनवरी को गुगल सर्च पर भारत के लक्षद्वीप की खोज 20 साल के उच्चतम स्तर पर पहुंचते हुए लक्षद्वीप विश्व पर्यटन मानचित्र पर छाते हुए दिखाई दिया है। इसके पीछे घटनाक्रम यह है कि चार जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी समुद्र से घिरे और खुबसूरत लक्षद्वीप पर पहुंचे थे। यहां से उन्होंने अपनी तस्वीरें शेयर की और भारतीयों से लक्षद्वीप घूमने की अपील करते हुए कहा कि जो लोग रोमांच को पसंद करते हैं उनके लिए लक्षद्वीप टॉप लिस्ट में होना चाहिए। वस्तुतः प्रधानमंत्री मोदी का अप्रत्यक्ष रूप से यह संदेश माना गया कि लक्षद्वीप के शानदार समुद्र तट प्राकृतिक सौंदर्य के साथ शांति के मामले में भी मालदीव को टक्कर देते हैं। ऐसे में कम समय व कम खर्च में मालदीव जैसा आनंद लक्षद्वीप में क्यों नहीं ? गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी ने लक्षद्रीप का दौरा करके भारत से बेरुखी और चीन के प्रति बार-बार प्यार दिखा रहे मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जु को नई पर्यटन चुनौती का झटका देने का संदेश दिया। ऐसे में मालदीव सरकार के तीन मंत्रियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियां कर दी। इस पर भारत की नामी हस्तियों ने तीखी आलोचना की। साथ ही देखते ही देखते करीब 4000 भारतीय पर्यटकों ने मालदीव की होटल बुकिंग रद्द कर दी और 3000 भारतीयों ने मालदीव के लिए हवाई टिकटों की बुकिंग रद्द कर दी। साथ ही लक्षद्वीप के लिए होटलों और हवाई टिकटों की बुकिंग बढ़ती दिखाई दी। भारत के ऐसे सख्त रुख के बाद मालदीव सरकार सकते में आ गई और अपने तीनों मंत्रियों को निलंबित कर दिया। दुनिया का यह पहला ऐसा मामला रहा, जब किसी अन्य देश के नेता पर टिप्पणी पर मंत्री निलंबित हुए हों। इस पूरे घटनाक्रम से पूरे देश और दुनिया में भी यह संदेश गया कि भारत के पास ऐसे पर्यटन स्थलों का बेजोड़ खजाना है जहां कम समय और कम खर्च में



विदेशी पर्यटन की चाह रखने वाले जा सकते हैं। उल्लेखनीय है कि एक ऐसे समय में जब इस समय दुनिया में पर्यटन स्थलों के लिए प्रसिद्ध देशों में भारतीय पर्यटकों को लुभाने की होड़ लगी हुई है, तब लक्षद्वीप का यह हालिया पर्यटन घटनाक्रम और ऐसे ही घरेलू पर्यटन स्थलों को रेखांकित करते हुए नए रणनीतिक प्रयास न केवल भारतीय पर्यटकों के विदेशी पर्यटन स्थलों की ओर बढ़ते प्रवाह को कम करने में अहम भूमिका निभा सकते हैं, वरन दिनया के कोने-कोने के देशों के पर्यटकों के कदमों को भारत की ओर मोड़ने में भी प्रभावी भूमिका निभा सकते हैं। पिछले दिनों श्रीलंका, थाईलैंड और मलेशिया ने भारतीय पर्यटकों को तेजी से आकर्षित करने तथा पर्यटन से विदेशी मुद्रा की कमाई बढ़ाने के मद्देनजर वीजा मुक्त प्रवेश की पहल की है। ऑस्ट्रेलिया, वियतनाम और रूस सहित कुछ अन्य दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में भी अधिक से अधिक भारतीय पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए वीजा की प्रक्रिया आसान बनाई गई है। वस्तुतः अमरीका और यूरोपीय यूनियन के कई देशों के वीजा के लिए प्रतीक्षा अविध लंबी और चीन से आने वाले पर्यटकों की संख्या कम होने के कारण भी ये देश विदेशी पर्यटकों को आकर्षित करने की नई रणनीतियां प्रस्तुत कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि भारतीय पर्यटकों की विदेश यात्राओं के दौरान किए जाने वाले खर्च का ग्राफ लगातार बढ़ रहा है, दूसरी ओर विदेशी पर्यटकों के द्वारा भारत में किए जाने वाले खर्च के ग्राफ की वैसी ऊंचाई नहीं है। विदेशी पर्यटकों के द्वारा भारत में खर्च 2019 से 76 फीसदी की वृद्धि के साथ 2027 तक करीब

60 अरब डॉलर पर पहुंचते हुए दिखाई देगा और परिणामस्वरूप भारत विदेशी पर्यटकों से कमाई के मामले में दुनिया के प्रमुख 10 बाजारों में शामिल नहीं हो पाएगा । यदि हम बर्नस्टीन की इस रिपोर्ट का विश्लेषण करें तो पाते हैं कि यद्यपि भारत में भी कोविड-19 के बाद विदेशी पर्यटक बढ रहे हैं और विदेशी पर्यटकों से आमदनी बढ़ रही है, लेकिन विदेश जाने वाले भारतीयों के द्वारा विदेश भ्रमण में किए जा रहे भारी-भरकम व्यय की तुलना में भारत आने वाले विदेशी पर्यटकों से भारत की आमदनी बहत कम है। अभी भी दनिया के कुल विदेशी पर्यटकों का दो फीसदी से भी कम हिस्सा ही भारत के खाते में आ रहा है। निःसंदेह जहां एक ओर भारतीयों का विदेशी पर्यटन की तरफ तेजी से बढ़ता रुझान घरेलू पर्यटन के मद्देनजर नुकसान की तरह है, वहीं देश के विदेशी मुद्रा कोष को घटाने वाला भी है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि पिछले एक दशक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप देश में विदेशी पर्यटकों के अनुभव को बेहतर बनाने के लिए पर्यटन के व्यापक बुनियादी ढांचे और अन्य पर्यटन सुविधाओं को नई वैश्विक पर्यटन सोच के साथ आकार दिया गया है। बेहतर सडक़, रेल और हवाई संपर्क से भी विदेशी पर्यटन को बढ़ाने के प्रयास किए गए हैं। कश्मीर सहित देश के कोने-कोने के पर्यटन केंद्र अब पहले से अधिक सुरक्षित हैं। पर्यटन बजट में लगातार वृद्धि की गई है। खास बात यह भी है कि सरकार ने इस वर्ष 2023 में जी-20 की अध्यक्षता के दौरान जी-20 के

कार्यसमूह की रणनीतिक रूप से देश के

आयोजित २०० से अधिक विभिन्न बैठकों में

कोने-कोने में 80 से अधिक शहरों में

प्रतिनिधियों और विदेशी मेहमानों को भारत के पर्यटक स्थलों का भ्रमण करवाकर भारत के बेजोड़ पर्यटन केंद्रों के वैश्विक प्रचार-प्रसार का अभूतपूर्व मौका भी मुट्टियों में लिया है।ऐसे विभिन्न प्रयासों के बाद भी भारत में विदेशी पर्यटकों की संख्या अपेक्षित रूप से नहीं बढ़ी है। पिछले वर्ष 2023 में भारत में जनवरी से जन तक आए विदेशी पर्यटकों की संख्या 43.80 लाख रही है और यह 2023 में करीब एक करोड़ के स्तर पर पहुंचने का अनुमान है। लेकिन विदेशी पर्यटकों की यह संख्या कोविड-19 महामारी से पहले वर्ष 2018 में भारत आए 2.88 करोड़ विदेशी पर्यटकों की तुलना में अभी बहुत पीछे

इतना ही नहीं, भारत में विदेशी पर्यटकों की संख्या वृद्धि दुनिया के कई देशों की तुलना में कितनी कम है, इसका अनुमान हम इस तथ्य से लगा सकते हैं कि स्पेन में पिछले वर्ष 2023 की पहली छमाही में ही 37.50 करोड़ विदेशी पर्यटक गए थे। निश्चित रूप से लक्षद्वीप के जनवरी 2024 के शुरुआती पर्यटन घटनाक्रम से यह संदेश निकला है कि घरेलू पर्यटकों के तेजी से बढ़ते विदेश पर्यटन के कदमों को नियंत्रित करके उन्हें देश के पर्यटन स्थलों की ओर मोड़ा जा सकता है। हम उम्मीद करें कि सरकार लक्षद्वीप के हालिया घटनाक्रम तथा दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों और दुनिया के ऊंचे क्रम के पर्यटन प्रधान देशों की तरह भारत में भी पर्यटन सेक्टर को और जीवंत बनाने की नई रणनीति के साथ वैश्वक पर्यटन की वैश्वक प्रतिस्पर्धा में पहली पंक्ति में आने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ेगी। हम उम्मीद करें कि देश में भी विदेशी पर्यटकों को रिझाने के लिए वीजा नीति उदार बनाई जाएगी और अल्प अवधि में बड़ी संख्या में वीजा निर्गम करने के लिए एक ठोस प्रशासनिक ढांचा तैयार किया जाएगा। हम उम्मीद करें कि सरकार अयोध्या में राम मंदिर, उज्जैन में महाकाल लोक और वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम जैसे आस्था केंद्र स्थलों का देश के कोने-कोने में विकास करेगी और वहां बुनियादी ढांचा व पर्यटन सुविधाओं को सुगम बनाएगी। निश्चित

रूप से ऐसे में देश वर्ष 2030 तक विदेशी

पर्यटकों से 56 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा

अर्जित करने के लक्ष्य को मुठ्ठियों में करने के

लिए आगे बढ़ते हुए दिखाई दे सकेगा।

तकसीम के आंकड़े अब राहत की खिड़िकयां खोल रहे हैं, तो आइंदा शुरुआत करके सुक्खू सरकार ने जमीनी विवादों के आरंभिक कारणों को निरस्त नहीं किया, बल्कि समाज के संदर्भों में सौहार्द के बीज भी वो दिए। इंतकाल के 65 हजार मामलों का निपटारा अपने आप में केवल एक रिकार्ड नहीं, बल्कि हजारों परिवारों के लिए सुकून का रिकार्ड है। राजस्व विभाग को अनिर्णायक होने से बचाने के लिए यह कदम वर्षों की सुस्ती तथा फाइलों के जमघट से छुटकारा दिला रहा है। भूमि प्रबंधन और पारिवारिक विभाजन की सीमारेखा पर खड़े विवाद समाज से शांति और प्रदेश से संभावना छीनते रहे हैं। विवादों के तर्क से वर्षों की हानि, मेहनत की बर्बादी और भविष्य की अनिश्चितता को ये अदालतें वरदान साबित हो रही हैं, तो इसका साधुवाद हिमाचल सरकार को मिल सकता है। मंडे मीटिंग में हिमाचल से मुलाकात करते मुख्यमंत्री ने व्यवस्था परिवर्तन के कई अन्य रास्तों को भी चुस्त-दुरुस्त किया और जहां संकल्प आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का अलग विभाग, होटल व विश्रामगृहों का क्यू आर कोड से ऑनलाइन भुगतान, हमीरपुर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान तथा स्वरोजगार स्टार्ट अप योजना के आकार को नई शक्ल दे रहे हैं। दरअसल मंडे बैठक के जरिए मुख्यमंत्री राज्य का नजरिया बदलते हैं, योजना प्रारूप को शक्ल प्रदान करते हैं, युवाओं के प्रति अपनी भिमका तथा हिमाचल की हर संभावना को संवाद तक ले जाते हैं।

राजस्व विभाग में व्यवस्था परिवर्तन का अक्स, अब सुलझे तकसीम के मामलों तथा इंतकाल के कागजात पर नजर आने लगा है, लेकिन इसकी दूसरी भूमिका में सरकार को अपने लिए भूमि का इंतजाम करना है। योजनाओं-परियोजनाओं की खपत में आवश्यक सार्वजनिक भूमि की तलाश व इसकी वन भूमि से रिहाई किए बिना, हमारी तरक्की का आलम हमेशा दलदल में फंसा है। अगर निजी भूमि के इंतकाल व

इस गति से सार्वजनिक भूमि को चिन्हित, वन भूमि से मुक्त तथा अतिक्रमण से छीन कर राज्य का एक व्यापक, समग्र और बहुआयामी लैंड बैंक स्थापित करना होगा । इससे पहले व्यावहारिक जरूरतों नागरिक सुविधाओं, विकास की अनिवार्यता, तरक्की की गुंजाइश भविष्य की अधोसंरचना, शहरी विकास, औद्योगिक विकास तथा निवेश संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए सार्वजनिक भूमि की उपलब्धता का डाटा तथा अतिरिक्त भूमि का रास्ता खोलने की कसौटियां बुलंद करनी होंगी। राजस्व विभाग सार्वजनिक भूमि का राज्य स्तरीय डाटा बनाए, जबिक वन विभाग व अतिक्रमण से जमीन वापस लेने के लिए कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। भविष्य में हर शहर को चार बड़े मैदान, हर गांव को एक मैदान, शहरी विकास के तहत मनोरंजन-पर्यटक स्थल, बाजार-मॉल, पार्किंग स्थल, ट्रांसपोर्ट नेटवर्क, बस स्टैंड-बस स्टॉप, सीवरेज, विद्युत तथा जलापूर्ति व्यवस्था के लिए माकूल जमीन तथा पूरे राज्य में नए निवेश केंद्र विकसित करने के लिए अतिरिक्त जमीन का प्रबंधन करना होगा। हर ग्रामीण व शहरी निकाय के लक्ष्यों में भविष्य के अनुपात में भूमि बैंक स्थापित करने के उद्देश्य से विभागीय समन्वय कायम करते हुए वर्ष के भीतर सारी कार्रवाई मुकम्मल होनी चाहिए।भविष्य में हर गांव को भी शहर की तरह नागरिक सुविधाओं की जरूरत होगी, तो नई आवासीय बस्तियों के लिए जमीन की उपलब्धता चाहिए। इसी के साथ सरकार को सार्वजनिक संपत्तियों का ऑडिट करते हुए इमारतों की फिजूलखर्ची घटानी होगी या दो तीन शहरों की कलस्टर प्लानिंग करते हुए, इनके बीचोंबीच अदालत परिसर, बस स्टैंड, सरकारी दफ्तर, कर्मचारी बस्तियां, हाई-वे टूरिज्म, आधुनिक बाजार, मनोरंजन केंद्र व कूड़ा-कर्कट प्रबंधन करके भूमि की अनावश्यक खपत कम करनी होगी।

राय

असहमति का विपक्षी गढबंधन

अब विपक्षी ताकत की राजनीतिक मीमांसा का समय आ गया है। चुनावों की घोषणा 15 मार्च के करीब की जा सकती है। राजनीतिक दलों की लामबंदी, रणनीति, संगठन, गठबंधन का यह सबसे नाजुक दौर है। उसके बाद चुनाव प्रचार के अंधड़ आरंभ हो जाएंगे, तो फिर कुछ भी विचार करना असंभव होगा। हमारा फोकस विपक्षी गठबंधन पर इसलिए है, क्योंकि वह ही बुनियादी लोकतांत्रिक चुनौती है। रणनीति तय करने और उसे लागू करने में भाजपा का कोई सानी नहीं है। अयोध्या राम मंदिर का 'चुनावी लाभ' उसे हर हाल में मिलेगा, यह खुद भाजपा कबूल कर रही है। धार्मिक आस्थाएं चकाचौंध कर देती हैं, लिहाजा विवेक और विचार की आंखें मंदने लगती हैं। बेशक बेरोजगारी, महंगाई, अर्थव्यवस्था, जातीय गणना, सत्ता के एकाधिकार, महिला उत्पीडन और आर्थिक विषमताएं आदि बेहद गंभीर और ज्वलंत मुद्दे हैं, लेकिन विडंबना है कि भारतीय लोकतंत्र में इन मुद्दों पर चुनावी जनादेश तय नहीं होते। ऐसे राजनीतिक परिदृश्य में विपक्षी एकजुटता की जरूरत ज्यादा बढ़ जाती है, लेकिन दुर्भाग्य है कि विपक्ष को अभी तक एहसास नहीं हो पाया है। 'इंडिया' गठबंधन की 5वीं बैठक वर्चुअल तौर पर शनिवार को हुई, जिसमें 10 दलों के नेता ही शामिल हए। गठबंधन में 28 घटक दलों का दावा किया जाता रहा है। ममता बनर्जी, अखिलेश यादव, उद्धव ठाकरे सरीखे बड़े दलों के बड़े नेता 'ऑनलाइन' बातचीत करने का भी वक्त नहीं निकाल पाए अथवा वे किसी मुद्दे-विशेष को लेकर नाखुश, असंतुष्ट हैं, यह सवालिया स्थिति ही बनी रही। न जाने किन मुगालतों में ये नेता जी रहे हैं ? जो नेता बैठक में मौजूद भी रहे, उनमें सीटों के बंटवारे पर चर्चा तक नहीं हुई, तो फिर गठबंधन के मायने क्या हैं?हालांकि टुकड़ों-टुकड़ों में सीटों पर बातचीत होती रही है, लेकिन वे बेनतीजा ही रही हैं, क्योंकि असहमितयों का दबाव ज्यादा है। 'इंडिया' के गठन को छह माह से अधिक का समय गुजर चुका है, लेकिन संयोजक, सचिवालय, साझा जनसभाएं, साझा न्यूनतम कार्यक्रम और झंडा, नारा आदि बुनियादी मुद्देही अनसुलझे हैं। मजबूरी में मल्लिकार्जुन खडग़े को 'इंडिया' का अध्यक्ष तय किया गया है, जिस पर आधिकारिक फैसला अभी होना है। खडग़े प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के भी राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उन्हें आम चुनाव के मद्देनजर कांग्रेस की अपनी रणनीति, 350 से ज्यादा उम्मीदवार, संसाधन, प्रचार के व्यापक तौर-तरीके भी तय करने हैं। वह राहुल गांधी की 'भारत जोड़ो न्याय यात्रा' से भी तटस्थ नहीं रह सकते। यह यात्रा कांग्रेस की चुनावी रणनीति की ही यात्रा है। एक 81 वर्षीय व्यक्ति से क्या-क्या अपेक्षाएं की जा सकती हैं? नीतीश कुमार असंतुष्ट और अनमने हैं, लिहाजा उन्होंने 'संयोजक' पद की पेशकश ही अस्वीकार कर दी है, लेकिन सीटों के बंटवारे पर उन्होंने अपनी चिंताएं जरूर जाहिर की हैं। उन्होंने कहा है कि काफी देर हो रही है। कायदे की चुनावी तैयारी के लिहाज से यह देरी मुनासिब नहीं है। देशहित और आम लोगों के हित में अधिक से अधिक गैर-भाजपा पार्टियां एकजुट हों, एक साथ मिलकर मुकाबला करें, इसी सोच के तहत कवायद की गई थी, लेकिन वक्त फिसल रहा है। दरअसल विरोधाभास यह भी है कि गठबंधन के ताकतवर घटक अपने-अपने दावे पर अड़े रहे हैं। मसलन-सपा अध्यक्ष की धमकी-सी है कि यदि बसपा को 'इंडिया' का हिस्सा बनाया गया, तो सपा गठबंधन से अलग हो जाएगी। इसके बावजूद कांग्रेस की एक सिमिति चुपचाप बसपा अध्यक्ष मायावती के संपर्क में है। महाराष्ट्र में उद्धवशिवसेना की जिद है कि वह 23 सीटों पर ही चुनाव लड़ेगी। यह स्थिति तब भी, जब शिवसेना संगठित पार्टी थी। आज तो वह विभाजित पार्टी है और असली शिवसेना एकनाथ शिंदे के पास है। उद्धव अपनी जिद को क्यों

नहीं पिघलाते?

उसे बार-बार अपनी जन्मपत्री पर शक होता रहा है, लेकिन अम्मा है कि मानती नहीं। बचपन से इस जन्मपत्री के कारण उसे हमेशा झाड़ पर बैठना पड़ा। कई बार लुढ़का, स्कूल में चमकने के चक्कर में परीक्षा परिणाम गोता खाते रहे, लेकिन अम्मा को कुल के पुरोहित पर खासा विश्वास रहा। खुद तो पता नहीं कितने पढ़े थे, लेकिन उसे हर तरह के पाठ्यक्रम में घुसाते रहे। वह इस जन्मपत्री के कारण कभी डाक्टरी, कभी इंजीनियरिंग और कभी प्रशासनिक अधिकारी बनने के सपने देखता रहा. लेकिन अम्मा के मरने के बाद वह ऐसा बुद्धिजीवी बन गया, जो दफ्तरों में घिसटता रहा। वैसे जन्म पत्री हर किसी को कुछ भी बनाने की वचनबद्धता प्रदान करती है, लेकिन आज तक इसने खुलकर किसी को बुद्धिजीवी होने का तमगा नहीं दिया। जबसे उसने जन्म पत्री पर विश्वास

करना छोड़ दिया, उसकी बुद्धि चलने लगी और वह खुद को सामान्य मानने

लगा, वरना जीवन का यह दस्तावेज हम लोगों को असामान्य बने रहने की आशा से भरा रखता है। बुद्धिजीवी अब देश की आशा में जन्म पत्री की भूमिका देखता है। उसने जन्म पत्री के दम पर पढ़े-लिखों तक को यह विश्वास करते देखा कि वे एक दिन एमएलए या मंत्री बन जाएंगे। उधर हर नेता बगल में जन्म पत्री छुपा कर प्रयास कर रहा है। हमारे एमएलए यूं तो मुख्यमंत्री से सीनियर हैं, लेकिन जन्म पत्री उन्हें मंत्री भी बनने नहीं दे रही। जिसे जन्म पत्री से पता लगा है कि मुफ्त में जमीन जायदाद का लाभ मिलेगा, आजकल अदालत में वकीलों को मोटी फीस दे रहा है। बुद्धिजीवी की समझ में आज तक यह नहीं आया कि जन्म पत्री

शव संवाद-26

पहले मरती है या पहले व्यक्ति मरता है, फिर लिखा हुआ भी मर जाता है। उसने ऐसी जन्म पत्री खोजनी शरू की जो अपनी मौत का हवाला देती हो, लेकिन लगभग मरे हुए लोग भी यह मानने को तैयार नहीं थे कि उनके सामने उन्हीं की जन्म पत्री मर सकती है। थक-हार कर बुद्धिजीवी ने मरी हुई अम्मा का संदूक खोल मारा। वहां खानदान की कई जन्म पत्रियां थीं।

परिवार के कई सदस्यों के मरने के बावजूद जन्म पत्रियां एकदम ताजा थीं। किसी तरह बुद्धिजीवी ने अपनी जन्म पत्री निकाली तथा मन में तय किया कि वह इसकी इसी हालत में शव यात्रा निकालेगा। जन्म पत्री में अपना उल्लेख तो

बुद्धिजीवी को समझ आ रहा था, लेकिन जन्म पत्री अपनी आयु के बारे में खामोश थी। बुद्धिजीवी ने सरकारी दफ्तरों में काम करते हुए सीख रखा था कि किस तरह जीवित फाइलों को मृत घोषित किया जाता है। सरकारी

दफ्तरों के करंट मारते बिजली के मीटर मरे हुए

घोषित हो जाते हैं। हर साल दफ्तर के कई हिस्से मार दिए जाते। नई सरकार के आते ही पुरानी सरकार के दौर का सब कुछ मरा हुआ मान लिया जाता है।ऐसे में बुद्धिजीवी को लगा कि उसके लिए जन्म पत्री को मरा हुआ साबित करना आसान है। उसने अपनी जन्म पत्री को कफन में ढांपकर उसे शव घोषित कर दिया। वह जन्म पत्री को कंधा दे रहा था ताकि समाज को पता चले कि खुद मरने से पहले किसी ने जन्म पत्री को मरा हुआ साबित

किया है। शमशानघाट में मरे हुए लोगों की पहले ही जन्म पत्रियां गिरी हुई थीं। एक ज्योतिषी उन जन्म पत्रियों में अपना ज्ञान खोज रहा था। तभी उसकी निगाह बुद्धिजीवी पर पड़ी तो उसने जन्म पत्री छीन ली। छीना झपटी में जन्म पत्री टुकड़ों में फट चुकी थी। गलती से ज्योतिषी ने उसकी जगह नेता की जन्म पत्री पढक़र कहा कि प्राणी बिना कुछ किए देश का नाम करेगा। बुद्धिजीवी को पहली बार पता चला गया कि मरे हुए राजनेता की जन्म पत्री भी कभी जाया नहीं होती, बल्कि मर कर भी सियासत करती है। मरे हुए नेता की जन्म पत्री के कारण बुद्धिजीवी को देश का अहम किरदार माना गया. जबकि उसकी अपनी फटी हुई जन्म पत्री नेता के शव के साथ जल रही थी।

निर्मल असो



इनमें से सबसे बड़ा जो बदलाव अत्यंत आवश्यक है, वो है पेट्रोल की खपत को नियंत्रित करने के लिए कोई पहल करना। यह पहल यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर करे तो अच्छा है, लेकिन यह संभव नहीं लगता क्योंकि हमारी मानसिकता कानून के खंटे से बंध कर कार्य करने की हो चर्की है। इसलिए इसमें सरकार को प्रयास करके इससे संबंधित नियम बनाने की जरूरत है। इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक गाडी के लिए प्रति माह पेट्रोल के प्रयोग की एक सीमा

निर्धारित कर दी जाए **प**ारतीय न्याय संहिता में हिट एंड रन से संबंधित कानून में बदलाव से नाराज ट्रक ड्राइवरों की हड़ताल से पेट्रोल के लिए विशेषकर निजी वाहन मालिकों में मची हाहाकार ने सभी को सोचने के लिए मजबूर कर दिया है। पेट्रोल पंपों से जैसे ही पेट्रोल के खत्म होने की जानकारी आम जनता में फैली तो सभी ने अपनी गाडियों का स्टीयरिंग भी पेट्रोल पंपों की तरफ घुमा लिया जिससे पेट्रोल की कमी का संकट कम होने की बजाय और गहरा गया। बेशक यह दौर लंबा नहीं चला. लेकिन फिर भी इस बात का एहसास सभी को हो गया कि पेट्रोल-डीजल अब हमारी जरूरत से ज्यादा हमारी एक कमजोरी बन चका है। पेट्रोल-डीजल की इस कमी से हमारे रोजमर्रा के कार्यों पर भले ही कोई बड़ा नकारात्मक प्रभाव न पड़ा हो, लेकिन पेट्रोल की पूर्ति में आई इस कुछ ही घंटे की कमी ने हमारी मानसिक स्थिति पर भी गहरा प्रभाव डाला है।

पेट्रोल के बिना वाहन मालिकों को अपना भविष्य अंधकारमय दिखने लग पड़ा था और हर ओर यह चिंता फैल गई कि पेट्रोल की पूर्ति अगर बहाल न हुई तो हमारी जीवन की गाड़ी पर भी ब्रेक लग जाएगा। यही कारण था कि पेट्रोल की कमी से चिंतित कुछ वाहन मालिकों ने न केवल अपनी गाडियों की टंकियों को भरवाने का जगाड किया. बल्कि घरों में भी पेट्रोल का स्टॉक इक_ा करने की

पेट्रोल पर निर्भरता कम करने के उपाय

कोशिश की ताकि कछ दिनों तक अपनी जरूरत को पुरा किया जा सके। वैसे यह चिंता काफी हद तक स्वाभाविक भी है, क्योंकि पेट्रोल-डीजल की निर्बाध आपूर्ति के ऊपर ही हमारी बहुत सी दैनिक क्रियाएं प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से निर्भर करती हैं। पेट्रोल की पूर्ति में आई कमी से सड़कों पर कम वाहन नजर आए, क्योंकि कोई भी वाहन मालिक अपनी गाड़ी को व्यर्थ घुमाकर अपने पेट्रोल के स्टॉक से छेड़छाड़ करने का जोखिम उठाने को तैयार नहीं था। बसों के पहिए थमने से कुछ लोग पैदल चलते भी दिखाई दिए, जोकि अमूमन देखने को नहीं मिलता है। यहां पर इस बात पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है कि पेट्रोल की यह कमी हडताल की वजह से मानव निर्मित थी. लेकिन जरा सोचिए अगर कभी धरती ने अचानक प्राकृतिक ईंधन को उगलना बंद कर दिया तो हालात कैसे बन जाएंगे।जिंदगी की रफ्तार एकदम शून्य हो जाएगी। उस समय जो हालात पैदा होंगे, उनकी कल्पना मात्र से भी एक सिहरन पैदा हो जाती है। हालांकि यह भविष्य के गर्भ में छिपा हुआ है कि प्राकृतिक ईंधन कब तक इनसानी उपभोग के लिए उपलब्ध होता रहेगा, लेकिन इसमें कोई शक नहीं है कि प्राकृतिक ईंधन के भंडारों का दोहन जिस गति से इनसानी सहूलियत के लिए हो रहा है, उससे लगता है कि आने वाले वर्षों में हमें इसकी भारी किल्लत से जझना पड सकता है, क्योंकि प्राकृतिक संसाधनों का यह भंडार कदापि असीमित नहीं है। यह बात विभिन्न सरकारों के संज्ञान में भी रही है। इसीलिए ऊर्जा के अलग-अलग स्त्रोतों को विकसित करने की कई योजनाओं पर कई वर्ष पहले ही कार्य शुरू किया जा चुका है। हम अपने जीवन में बहुत सी वस्तुओं के उपभोग के आदी हो चुके हैं जिसमें से पेट्रोल भी

पेट्रोल के ऊपर हमारी निर्भरता बहुत अधिक है। इसका एक कारण यह भी है कि पेट्रोल के मुकाबले ऊर्जा के अन्य स्रोतों के विकास में आशानुरूप प्रगति नहीं हुई है। पेट्रोल के सीमित भंडार को ध्यान में रखते हुए हमारी जीवन शैली में

एक अहम वस्तु है।

कछ बदलाव किए जाने आवश्यक हैं। इनमें से सबसे बडा जो बदलाव अत्यंत आवश्यक है, वो है पेट्रोल की खपत को नियंत्रित करने के लिए कोई पहल करना। यह पहल यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर करे तो अच्छा है, लेकिन यह संभव नहीं लगता क्योंकि हमारी मानसिकता कानून के खूंटे से बंध कर कार्य करने की हो चुकी है। इसलिए इसमें सरकार को प्रयास करके इससे संबंधित नियम बनाने की जरूरत है। इसके लिए आवश्यक है कि प्रत्येक गाड़ी के लिए प्रति माह पेट्रोल के प्रयोग की एक सीमा निर्धारित कर दी जाए। इस सीमा से अधिक पेट्रोल किसी भी सुरत में गाड़ी में न डाला जाए। इस केवल एक निर्णय से समाज के विभिन्न वर्गों को अनेक लाभ होने निश्चित हैं। इसमें से सबसे पहला लाभ यह होगा कि तेजी से समाप्त हो

रहे हमारे प्राकृतिक ईंधन से संसाधनों पर कछ रोक अवश्य लगेगी। अगर प्राकृतिक ईंधन समाप्त हो जाता है तो हमारी आने वाली पीढियां प्राकृतिक संसाधनों का केवल इतिहास पढऩे को मजबूर होंगी और यदि आज हम कुदरत के इस अनमोल तोहफे का प्रयोग संभल कर करते हैं, तो आने वाली पीढियां भी इसका लाभ ले पाएंगी। इसके अलावा पेट्रोल की खपत की सीमा निर्धारित करने से देश के नागरिक अपने कुछ काम, जिनके लिए आज गाड़ी का प्रयोग करते हैं, उनको पैदल चलकर करना चाहेंगे, क्योंकि ईंधन खपत की सीमा के निर्धारित हो जाने से वे ईंधन के बेहतरीन उपयोग के प्रति संवेदनशील रहेंगे, जिससे उनकी शारीरिक क्रिया होगी और शारीरिक क्रियाएं स्वास्थ्य लाभ के लिए सबसे उपयोगी साधन हैं।

DL3CC05652

इसके साथ-साथ ईंधन खपत की सीमा को निर्धारित करने से प्रदुषण, अनियंत्रित ट्रैफिक और टैफिक जाम की समस्या को भी काफी हद तक नियंत्रित करने में मदद मिलेगी । इसके साथ-साथ सडक़ों के रखरखाव पर भी कम राशि व्यय होगी और सार्वजनिक यातायात के ढांचे को मजबूती प्रदान करके सरकार अपने राजस्व में वृद्धि कर सकती है। पेट्रोल की खपत की सीमा निर्धारित होने से बिजली से चलने वाली गाडियों और ऊर्जा के अन्य स्रोतों को प्रयोग में लाने की तरफ भी लोगों को आकर्षित किया जा सकेगा। एक मजबूत इच्छा शक्ति के साथ पेट्रोल की खपत को नियंत्रित करने से संबंधित निर्णय लिया जाना अत्यंत आवश्यक

राकेश शर्मा

सुकन्या समृद्धि और पीपीएफ अकाउंट होल्डर तुरंत करें ये काम, ३१ मार्च के बाद बंद हो जाएगा आपका अकाउंट

परिवहन विशेष न्यूज

Public Provident Fund और Sukanva Samriddhi Account को एक्टिव रखने के लिए मिनिमम बैलेंस को मैंटेन रखना अनिवार्य है। अगर 31 मार्च 2024 तक इन अकाउंट में मिनिमम बैलेंस को मैंटेन नहीं किया तो अकाउंट फ्रीज सकता है। अकाउंट को दोबारा एक्टिव करने के लिए जुर्माना देना होगा। चलिए जानते हैं कि इन दोनों स्कीम में मिनिमम अमाउंट कितना है?

नई दिल्ली।पब्लिक प्रॉविडेंट फंड (PPF) और सुकन्या समृद्धि योजना (SSY) अकाउँट को एक्टिव रखने के लिए मिनिमम बैलेंस मैंटेन करना अनिवार्य हो गया है। इसको लेकर सरकार ने नए नियम भी लागू किये हैं। 31 मार्च 2024 तक अकाउंट होल्डर को इन अकाउंट में मिनिमम बैलेंस के मैंटेन रखना होगा। अगर वह ऐसा नहीं करते हैं तो उनका अकाउंट इनएक्टिव हो सकता

इनएक्टिव अकाउंट को दोबारा शरू करने के लिए अकाउंटहोल्डर को जर्माना का भुगतान करना होगा। चलिए, जानते हैं कि इन दोनों अकाउंट में कम से कम कितना पैसा होना चाहिए?

पीपीएफ अकाउंट धारक को एक साल में कम से कम 500 रुपये का मिनिमम बैलेंस डिपॉजिट करना होगा। इसका मतलब है कि एक वित्त वर्ष में कम से मक 500 रुपये का निवेश करना होगा। अगर अकाउंट में इतना बैलेंस नहीं होता है तो खाता बंद हो सकता है।

वहीं, एक साल में 1.5 लाख रुपये से ज्यादा का निवेश नहीं किया जा सकता है। इस साल पीपीएफ अकाउंट में मिनिमम बैलेंस को मैंटेन करने की आखिरी तारीख 31 मार्च 2024 है।

अगर 31 मार्च तक अकाउंट में 500 रुपये राशि जमा नहीं होती है तो अकाउंट फ्रीज हो जाएगा। ऐसे में दोबारा अकाउंट को शुरू करने के लिए पेनल्टी देनी होगी। खाताधारक को 50 रुपये प्रतिवर्ष के हिसाब



इसे ऐसे समझिए कि अगर 2 साल तक अकाउंट इनएक्टिव होता है तो दोबारा एक्टमिव के लिए निवेश राशि के साथ 100 रुपये का जुर्माना देना होगा।

www.newsparivahan.com

मिनिमम बैलेंस ना होने की वजह से अकाउंट इनएक्टिव के साथ खाताधारक को कई और फायदे भी नहीं मिलेंगे। यानी पीपीएफ अकाउंट होल्डर को इनएक्टिव अकाउंट पर कोई लोन नहीं मिलेगा और वह अकाउंट से पैसे भी विड्रॉ नहीं कर सकते हैं।

सकन्या समृद्धि योजना सुकन्या समृद्धि योजना में मिनिमम बैलेंस 250 रुपये है। इसका मतलब है कि

अकाउंट को एक्टिव रखने के लिए एक वित्त वर्ष में 250 रुपये का निवेश करना होता है। अगर इस स्कीम में निवेश नहीं करते हैं तो अकाउंट बंद हो जाएगा। दोबारा अकाउंट को एक्टिव करने के

लिए खाताधारक को 50 रुपये प्रति वर्ष के हिसाब से पेनल्टी भरनी होगी आपको बता दें कि सुकन्या समृद्धि योजना में सरकार 8.2

फीसदी की दर के हिसाब से ब्याज देती है।

सुकन्या समृद्धि अकाउंट लड़की के जन्म

लेने के बाद से उसके 10 साल की उम्र से पहले ओपन किया जा सकता है। इस अकाउंट में एक साल में अधिकतम 1.5

लाख रुपये डिपॉजिट कर सकते हैं। आप अपने नजदीक के बैंक या पोस्ट ऑफिस में सुकन्या समृद्धि अकाउंट खोल सकते हैं।

तिमाही नतीजों के बाद आईटी शेयरों में आई तेजी, इतने उछले कंपनी के स्टॉक

जनवरी महीने में कई कंपनियों ने तिमाही नतीजे जारी कर दिये हैं। कंपनी द्वारा तिमाही नतीजे जारी होने के बाद शेयर बाजार पर असर दिखा है। आज विप्रो और एचसीएल के स्टॉक में तेजी देखने को मिली है। एचसीएल के शेयर 5 फीसदी से ज्यादा और विपो के शेयर 14 फीसदी से अधिक चढ़ गए हैं। इस रिपोर्ट में विस्तार से जानते हैं।

नर्इ दिल्ली। शेयर बाजार तेजी के साथ कारोबार कर रहा है। आईटी कंपनियों द्वारा जारी तिमाही नतीजों ने मार्केट को बढ़त हासिल करने में मदद की है। पिछले हफ्ते विप्रो और एचसीएल ने अपने तिमाही नतीजे जारी किये थे। इन नतीजों के बाद आज कंपनी के स्टॉक बढ़त के साथ कारोबार कर रहे हैं। एचसीएल टेक्नोलॉजीज (HCL) के स्टॉक 5 फीसदी से ज्यादा तेजी के साथ कारोबार कर रहे हैं। कंपनी ने पिछले हफ्ते तिमाही नतीजे जारी किये थे। इस नतीजे में कंपनी ने बताया कि उनका नेट प्रॉफिट 6.2 फीसदी बढ़कर 4,350 रुपये हो गया। कंपनी का नेट प्रॉफिट अभी तक का सबसे ज्यादा है। कंपनी ने सर्विस और सॉफ्टवेयर बिजनेस दोनों में बढ़ोतरी दर्ज हुई। बीएसई पर स्टॉक 4.83 प्रतिशत उछलकर 52-सप्ताह के उच्चतम स्तर 1,617.65 रुपये पर पहुंच गया।वहीं, एनएसई पर, यह 5.11 प्रतिशत बढ़कर 1,619.60 रुपये पर पहुंच गया - जो इसका 52-सप्ताह का उच्चतम स्तर है। सुबह के करोबार में आईटी शेयर सुर्खियों में रहे। विप्रो, टेक महिंद्रा, इंफोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज के स्टॉक तेजी के साथ कारोबार कर रहे। एचसीएल टेक नेअपने तिमाही नतीजे में बताया कि एक साल पहले दिसंबर तिमाही में कंपनी का नेट प्रॉफिट 4,096 करोड़ रुपये था।दिसंबर तिमाही नमें एचसीएल टेक का नेट रेवेन्य 6.5 प्रतिशत बढ़कर 28,446 करोड़ रुपये हो गया। यह पिछले साल इसी अवधि में 26,700 करोड़ रुपये था। कंपनी ने चाल वित्त वर्ष में साल-दर-साल आधार पर 5-5.5 फीसदी के बीच राजस्व वृद्धि का अनुमान लगाया है ।तिमाही नतीजों के बाद आईटी कंपनी विग्रो (Wipro) के शेयरों में तेजी आई है । आज विग्रो के शेयर लगभग 14 फीसदी की छलांग लगाई। इसके बाद कंपनी के बाजार मृल्यांकन में 18,168.68 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ।

रिटेल के बाद थोक महंगाई में भी बढ़त, दिसंबर में WPI 0.74 फीसदी बढ़ी



WPI inflation सरकार ने दिसंबर महीने में थोक महंगाई दर जारी कर दिया है। इस महीने भी महंगाई दर में बढ़त देखने को मिली है। इस बार दिसंबर महीने में महंगाई दर 0.74 फीसदी रहा है। वहीं नवंबर में महंगाई दर 0.26 फीसदी था। आइए जानते हैं कि दिसंबर के महीने में किस वस्तु की महंगाई दर कितनी रही है?

नईदिल्ली।सरकारद्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार दिसंबर में महंगाई दर 0.74 फीसदी रहा। पिछले साल नंवबर में यह 0.26 प्रतिशत था। महंगाई दर में आई बढत की वजह खाद्य कीमतों में आई

थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) पिछले साल अप्रैल से अक्टूबर 2023 में नकारात्मक में थी।वहीं, यह नवंबर में 0.26 प्रतिशत सकारात्मक हो गई। आपको बता दें कि दिसंबर में फूड इन्फलेशन 9.38 फीसदी हो गई, जो कि नवंबर 2023 में 8.18 प्रतिशत थी।

वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने सोमवार को एक बयान में कहा

पिछले साल दिसंबर 2023 में महंगाई में तेजी इसलिए आई क्योंकि खाद्य वस्तुओं, मशीनरी और उपकरण, अन्य विनिर्माण, अन्य परिवहन उपकरण और कंप्यूटर, इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑप्टिकल उत्पादों आदि की कीमतों में वृद्धि

ये चीज हो गई महंगी

दिसंबर में सब्जियों की महंगाई दर 26.30 फीसदी रही, जबिक दालों की महंगाई दर 19.60 फीसदी रही।पिछले हफ्ते जारी आंकड़ों के अनुसार दिसंबर के लिए खुदरा या उपभोक्ता मृल्य आधारित मुद्रास्फीति (सीपीआई) बढ़कर 4 महीने के उच्चतम 5.69 प्रतिशत पर

रिजर्व बैंक ने पिछले महीने अपनी द्विमासिक मौद्रिक नीति में ब्याज दरों को स्थिर रखा और नवंबर और दिसंबर में खाद्य मुद्रास्फीति बढ़ने के जोखिमों को चिह्नित किया।

हफ्ते के पहले दिन महंगा हुआ गोल्ड-सिल्वर, चेक करें आपके शहर में क्या है सोने-चांदी के भाव



देश में छोटे से बडे शहरों में सोने-चांदी के दाम अपडेट हो गए हैं। यह रेट एमसीएक्स के आधार पर तय किया जाता है। दिल्ली के सर्राफा बाजार में भी नई रेट जारी हो गए हैं। आज सोने और चांदी की कीमतों में तेजी देखने को मिली है। चलिए जानते हैं कि आज आपके शहर में सोने-चांदी कितने रुपये में मिल रही है?

नर्इ दिल्ली।सोमवार को देश के सभी छोटे-बडे शहरों में गोल्ड-सिल्वर के प्राइस अपडेट हो गए हैं। यह प्राइस मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज के आधार पर तय किये गए हैं। आज सोने की कीमत में 150 रुपये की तेजी देखने को मिली है। वहीं, सिल्वर में 300 रुपये की बढ़त देखने को मिली है।

महंगा हुआ गोल्ड एचडीएफसी सिक्योरिटीज के अनुसार विदेशी बाजारों में मजबूत

संकेतों के बीच राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोने की कीमत 150 रुपये बढ़कर 63,550 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई। वहीं, पिछले कारोबारी सत्र में गोल्ड 63,400 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुई थी। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में

कमोडिटी के वरिष्ठ विश्लेषक सौमिल गांधी ने कहा कि ग्लोबल मार्केट से सकारात्मक संकेतों के चलते दिल्ली के बाजारों में सोने की हाजिर कीमतें (24 कैरेट) 150 रुपये बढ़कर 63,550 रुपये प्रति 10 ग्राम पर कारोबार कर रही

2.055 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर ऊंचे भाव पर थे।

बढ़ गए चांदी के रेट आज चांदी भी 300 रुपये उछलकर 76,700 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जबकि पिछले बंद में यह 76.400 रुपये प्रति किलोग्राम पर बंद हुई थी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों में चांदी 23.20 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस पर ऊंचे भाव पर थे।

आपके शहर में क्या है सोने

Today Gold Silver Rates: गुड रिटर्न के मुताबिक समाचार लिखे जाने तक सर्राफा बाजार में सोने की कीमतें इस तरह

दिल्ली में 24 कैरेट का 10 ग्राम सोना 63,590 रुपये है। जयपुर में 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 63,590 रुपये में बिक रहा

पटना में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 63,490 रुपये है। कोलकाता में 24 कैरेट के 10 ग्राम सोने का दाम 63,440 रुपये है।

मुंबई में 24 कैरेट का 10 ग्राम सोना 63,440 पर बिक रहा है। बेंगलुरु में 24 कैरेट का 10 ग्राम सोना 63,440 रुपये का है। हैदराबाद में 24 कैरेट 10 ग्राम

सोना 63,440 रुपये का है। चंडीगढ़ में सोने की कीमत 63,590 रुपये है।

लखनऊ में 24 कैरेट 10 ग्राम सोने का रेट 63,590 रुपये है।

राम मंदिर अयोध्या: चेन्नई, मुंबई और बेंगलुरू से सीधे पहुंचेंगे अब राम जन्मभूमि अयोध्या

एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट अपने यात्रियों को अब सीधे राम जन्म भूमि अयोध्या पहुंचने की सुविधा देनी जा रही है। कंपनी अगले महीने यानी 1 फरवरी से चेन्नई बेंगलुरु और मुंबई से अयोध्या के लिए नॉन– स्टॉप फ्लाइट की सुविधा देगी। दरअसल 22 जनवरी से ही राम जन्म भूमि अयोध्या पहुंचने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ना शुरू हो जाएँगा।

नई दिल्ली। एयरलाइन कंपनी स्पाइसजेट अपने यात्रियों को अब सीधे राम जन्म भूमि अयोध्या पहुंचने की सुविधा देनी जा रही है। कंपनी अगले महीने यानी 1 फरवरी से चेन्नई, बेंगलुरु और मुंबई से अयोध्या के लिए नॉन-स्टॉप फ्लाइट की सुविधा देगी।

दरअसल, 22 जनवरी से ही राम जन्म भूमि अयोध्या पहुंचने के लिए देश के कोने-कोने से श्रद्धालओं की भीड उमड़ना शुरू हो जाएगा।

ऐसे में अयोध्या आने वाले यात्रियों को राम नगरी में पहुंचने के लिए किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए नॉन-



स्टॉप फ्लाइट की सविधा पेश की गई है। 189 सीटों वाला बोइंग 737 विमान भरेगा उडान

स्पाइस जेट से मिली जानकारियों के मृताबिक बेंगलुरू-वाराणसी के बीच एयरलाइन का 189 सीटों वाला बोइंग 737 विमान उड़ान भरेगा। एयरलाइन का लक्ष्य जल्द ही अयोध्या को भारत भर के कई अन्य प्रमुख शहरों से जोड़ना है।

बता दें, इससे पहले स्पाइसजेट ने एलान किया था कि एयरलाइन 21 जनवरी को दिल्ली से अयोध्या के लिए एक विशेष उडान संचालित करेगी।

यह विशेष उड़ान 22 जनवरी को श्री राम मंदिर में प्राणप्रतिष्ठा समारोह में भाग लेने वाले यात्रियों को सेवा देगी। अयोध्या उडानों के अलावा.

स्पाइसजेट ने 1 फरवरी से मंबई को श्रीनगर, चेन्नई को जयपुर और बेंगलुरु को वाराणसी से जोडने वाली नई उडानों का भी एलान किया है।

यात्री कर सकेंगे सुविधाजनक

स्पाइसजेट की मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी शिल्पा भाटिया (Shilpa Bhatia, Chief Commercial Officer, SpiceJet) ने कहा, हमें अयोध्या को चेन्नई, बेंगलुरु और मुंबई से जोड़ने वाली नॉन-स्टॉप उड़ानों की शुरुआत की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है।

ये नई उडानें कनेक्टिविटी बढाने और यात्रियों को सुविधाजनक यात्रा देने के रूप में खास होगी।

OLD TAX

REGIME

PM-JANMAN की पहली किस्त आई: किन्हें मिल रहा इसका फायदा; जानिए योजना से जुड़ी सभी जरूरी जानकारी

PM Janman Yojana सरकार ने कमजोर जनजातीय समूह को आर्थिक लाभ देने के लिए पीएम जनजाती आदिवासी न्याय महा योजना शरू किया था। यह योजना आर्थिक लाभ के साथ सामाजिक विकास के उद्देश्य से शुरू की गई थी। आज देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस योजना की पहली किस्त जारी कर दी है। चलिए जानते हैं कि इस स्कीम में किस प्रकार लाभ मिलेगा?

नई दिल्ली। केंद्र सरकार देश के सभी वर्गों के विकास के लिए कई तरह की स्कीम चला रहे हैं। इन स्कीम में से एक पीएम जनजाती आदिवासी न्याय महा योजना (PM-JANMAN Yojana) है। यह योजना देश के कमजोर जनजाती के लिए पिछले साल 2023 में शुरू हुई थी। इस स्कीम में भी पीएमकिसान सम्माननिधियोजना (PM Kisan Yojana) की तरह समय समय पर किस्त जारी

आज पीएम मोदी ने इस स्कीम की पहली किस्त जारी कर दी है। केंद्र सरकार ने एक लाख लाभार्थियों को पहली किस्त की सौगात दी है। यह किस्त पीएम आवास-योजना (PM Awas Yojana) के तहत जारी की गई है। चलिए, इस योजना के बारे में विस्तार से जानते हैं।

क्या है PM-JANMAN योजना

यह योजना 15 नवंबर 2023 को जनजातीय गौरव दिवस के मौके पर शुरू की गई थी। इसके लिए सरकार ने 24,000 करोड़ रुपये का बजट तय किया है। इस स्कीम के अंतर्गत 9 मंत्रालय शामिल

इस स्कीम को बजट 2023-24 के बजट भाषण में पेश किया गया था। बजट भाषण में कहा गया था कि देश के कमजोर जनजातीय लोगों की आर्थिक स्थिति और सामाजिक विकास के लिए सरकार यह स्कीम लॉन्च करेगी।

इस योजना का लाभ देश के 18 राज्यों और 7 केंद्र प्रशासित प्रदेशों में रहने वाले 75 आदिवासी समुदाय और आदिम जनजाती को मिली है।

क्या है योजना का लाभ

NEW TAX

REGIME

इस स्कीम के तहत गरीब और पिछड़ी बस्तियों को सुरक्षित आवास में बदला जाएगा।

नई टैक्स रिजीम पुरानी से किन मायनों में है अलग, मिलते हैं ये फायदे

परिवहन विशेष न्यूज

बजट 2023 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से नई टैक्स रिजीम को लेकर कई बड़े एलान किए गए थे। सरकार ने इस टैक्स रिजीम को आकर्षक बनाने के लिए नए एलान किए थे। नई टैक्स रिजीम को चुनते हैं तो आपको कई फायदे मिलते हैं।पुरानी टैक्स रिजीम को नहीं चुनते हैं तो नई टैक्स रिजीम डिफॉल्ट रूप से मानी जाती है।

नई दिल्ली। बजट 2023 में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की ओर से नई टैक्स रिजीम को लेकर कई बड़े एलान किए गए थे। सरकार ने इस टैक्स रिजीम को आकर्षक बनाने के लिए नए एलान किए थे।

नई टैक्स रिजीम को चुनते हैं तो आपको कई फायदे मिलते हैं। इस आर्टिकल में आपको पुरानी टैक्स रिजीम के मुकाबले नई टैक्स रिजीम में मिलने वाले फायदों की ही जानकारी दे रहे हैं।

बता दें, पुरानी टैक्स रिजीम को नहीं चुनते हैं तो नई टैक्स रिजीम डिफॉल्ट रूप से मानी जाती है। यानी आपकी इनकम पर टैक्स का कैलकुलेशन नई टैक्स रिजीम के बेस पर होता है।

नई टैक्स रिजीम के साथ टैक्सपेयर्स को टैक्स स्लैब में छूट मिलती है। इसके साथ ही टैक्सपेयर्स को स्टैंडर्ड डिडक्शन और कम सरचार्च का फायदा मिलता है-

सरचार्ज अब 25 प्रतिशत तक हुआ नई टैक्स रिजीम के साथ ज्यादा आय वाले लोगों को फायदा मिलता है। दो करोड से ज्यादा आय होने पर अब सरचार्च को कम

कर दिया है। सरचार्च को घटा कर अब 25 प्रतिशत तक कर दिया गया है।

7 लाख रुपये तक की आय पर नहीं लगेगा टैक्स

नई टैक्स रिजीम के साथ इनकम टैक्स एक्ट की धारा 87A के तहत मिलने वाली टैक्स डिडक्शन की लिमिट को बढ़ा दिया गया है। नई टैक्स रिजीम के साथ 5 लाख की जगह 7 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा।

स्टैंडर्ड डिडक्शन का मिलेगा

पहले स्टैंडर्ड डिडक्शन का फायदा केवल पुरानी टैक्स रिजीम के साथ ही मिल रहा था। हालांकि, अब स्टैंडर्ड डिडक्शन का फायदा नई टैक्स रिजीम में भी मिलता है। 7 लाख रुपये की छूट के अलावा, 50 हजार रुपये की एक्स्ट्रा छूट मिलेगी।

टैक्स स्लैब को लेकर हुआ ये

नई टैक्स रिजीम के साथ टैक्स स्लैब को लेकर भी बदलाव हुआ है। नए नियमों के

मुताबिक अब 0-3 लाख रुपये तक की आय पर कोई टैक्स नहीं लगेगा। 3-6 लाख रुपये तक की आय पर 5 प्रतिशत टैक्स देना होगा। 6-9 लाख रुपये तक की आय पर 10

प्रतिशत टैक्स देना होगा । 9-12 लाख रुपये

तक की आय पर 15 प्रतिशत टैक्स देना

होगा। 12-15 लाख रुपये तक की आय पर 20 प्रतिशत टैक्स देना होगा । वहीं 15 लाख रुपये

से अधिक आय पर 30 प्रतिशत टैक्स लिया

नोएडा सेक्टर-62 से मेट्रो का होगा विस्तार, रूट का डीपीआर तैयार; नमो भारत के स्टेशन से जुड़ेगी मेट्रो

दिल्ली मेट्रो एक्टेंड मेट्रो फेज-3 प्रोजेक्ट नोएडा सेक्टर-62 से नमो भारत के साहिबाबाद स्टेशन तक मेट्रो संचालन के लिए कवायद जारी है। डीएमआरसी (दिल्ली मेट्रो रेल निगम) ने जो रूट तैयार किया है उसके हिसाब से नोएडा सेक्टर-62 से आगे बढ़कर इंदिरापुरम से कनावनी पुलिया तक सड़क के बीच से होते हुए मेट्रो कनावनी पुलिया पर एलिवेडट रोड के ऊपर से गुजरेगी।

गाजियाबाद। मेट्रो फेज-3 प्रोजेक्ट नोएडा सेक्टर-62 से नमो भारत के साहिबाबाद स्टेशन तक मेट्रो संचालन के लिए कवायद जारी है। डीएमआरसी (दिल्ली मेट्रो रेल निगम) ने जो रूट तैयार किया है उसके हिसाब से नोएडा सेक्टर-62 से आगे बढ़कर इंदिरापुरम से कनावनी पुलिया तक सड़क के बीच से होते हुए मेट्रो कनावनी पुलिया पर एलिवेडट रोड के ऊपर से गुजरेगी।

इसके बाद वसुंधरा में जनसत्ता अपार्टमेंट के सामने वसुंधरा सेक्टर-सात होते हुए आगे बढ़कर नमो भारत के साहिबाबाद स्टेशन तक पहुंचेगी। उक्त रूट पर पांच स्टेशन वैभवखंड, डीपीएस इंदिरापुरम, शक्तिखंड, वसुंधरा सेक्टर-सात और साहिबाबाद प्रस्तावित हैं। इसके लिए संशोधित डीपीआर तैयार हो गई है।

नोएडा सेक्टर-62 से आगे बढ़ने पर दो पिलर सीआईएसएफ के भूखंड में बनेंगे। इसके बाद इंदिरापुरम में जीडीए की सड़क के बीच से होते हुए



और वसुंधरा में आवास विकास परिषद की जमीन से होकर मेट्रो गुजरेगी। मेट्रो प्रोजेक्ट पर काम शुरू करने से पहले सीआईएसएफ से एनओसी की भी जरूरत

www.newsparivahan.com

5.017 किमी लंबे रूट पर मेट्रो संचालन के लिए 1873.31 करोड़ रुपये खर्च होंगे। जीडीए की मांग पर डीएमआरसी ने जीडीए को फंडिंग पैटर्न के बारे में पहले ही जानकारी दे दी है। 20 प्रतिशत अंशदान केंद्र सरकार देगी, जबिक 80 प्रतिशत में 40-40 प्रतिशत जीडीए व आवास विकास परिषद को वहन करना होगा।

जीडीए मुख्य अभियंता मानवेंद्र सिंह ने बताया कि डीपीआर तैयार हो गई है। मेट्रो फेज-3 प्रोजेक्ट पूरा होने से कनेक्टिविटी काफी बेहतर हो जाएगी। दिल्ली व मेरठ से नमो भारत ट्रेन में सवार होकर आ रहे लोग यहां से मेट्रो पकड़कर नोएडा व अन्य स्थानों आसानी से आ-जा सकेंगे।

यह डीपीआर जल्द ही गाजियाबाद विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष राकेश कुमार सिंह के समक्ष रखी जाएगी, उनके निर्देश पर इस मामले में आगे की कार्यवाही की जाएगी।

ट्रैक्टर से टक्कर के बाद कार में लगी आग, बाल-बाल बचा चालक



कार से आगे एक ट्रैक्टर चल रहा था। इसी दौरान कार की ट्रैक्टर से टक्कर हो गई। इसके बाद कार के इंजन से लपटें उठने लगीं। इसे देखकर चालक कार से भाग निकला। देखते ही देखते कार पूरी तरह से जल गई। आसपास चल रहे वाहन रुक गए। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी धर्मवीर ने बताया कि दमकल गाड़ी ने आधे घंटे में आग पर काबु पा लिया।

गुरुग्राम। गुरुग्राम-सोहना रोड पर सोमवार शाम धुनेला गांव के पास सर्विस रोड पर तेज रफ्तार कार की सामने जा रहे एक ट्रैक्टर से टक्कर हो गई। इसके बाद कार में आग लग गई। हादसे में कार चालक बाल-बाल बच गया।

कार से भाग निकला चालक आग लगने से पहले ही वह कार से भाग निकला। सूचना मिलते ही सोहना फायर ब्रिगेड की गाडी मौके पर पहुंची और करीब आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। सोमवार शाम धुनेला गांव के पास केआर मंगलम यूनिवर्सिटी के समीप दिल्ली नंबर की एक कार तेज रफ्तार में जा रही थी।

में जा रही थी। **ट्रैक्टर में टक्कर से कार में**

बताया जाता है कि कार से आगे एक ट्रैक्टर चल रहा था। इसी दौरान कार की ट्रैक्टर से टक्कर हो गई। इसके बाद कार के इंजन से लपटें उठने लगीं। इसे देखकर चालक कार से भाग निकला। देखते ही देखते कार पूरी तरह से जल गई। आसपास चल रहे वाहन रुक गए। आसपास के लोगों ने सोहना पुलिस व फायर ब्रिगेड को सूचना दी। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी धर्मवीर ने बताया कि दमकल गाड़ी ने आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया। थाना प्रभारी सुरेंद्र ने बताया कि पुलिस ने मौके पर पहुंच जांच शुरू कर दी और चालक की तलाश की जा रही है।

चारभुजा नाथ बड़े मंदिर में पोष बड़ा महोत्सव 20 को

परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा।श्री माहेश्वरी समाज श्री चारभुजा जी मंदिर ट्रस्ट के बड़ा मंदिर में 20 जनवरी शनिवार को पोष बड़ा महोत्सव का भव्य आयोजन किया जाएगा ट्रस्ट मीडिया प्रभारी महावीर समदानी ने बताया कि महा आरती साय 5:30 बजे होगी तत्पश्चात महा प्रसाद वितरण किया जाएगा पतंग महोत्सव मनाया

मकर संक्रांति के पावन अवसर पर चारभुजा नाथ बड़ा मंदिर में पूरे मंदिर में रंग बिरंगी सैकड़ो पतंगे से सजावट की गई चारभुजा नाथ के पतंग आकार में पोशाक पहनाई गई एवं पतंग से ही श्रृंगार किया गया निज



मंदिर में चारों ओर रंग बिरंगी एवं चमकीली पतंगो से आकर्षक सजावट की गई।

किसानों के प्रदर्शन के कारण बदला रहेगा यातायात, ट्रैफिक पुलिस ने जारी एडवाइजरी

सेक्टर-24 एनटीपीसी और विभिन्न जगह किसानों के प्रस्तावित धरने को देखते हुए मंगलवार को सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे के दौरान यातायात बदला रहेगा। बड़ी संख्या में किसान नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होते हुए धरना स्थल पहुंचे। इस कारण लोगों को असुविधा हो सकती है। यातायात असुविधा उत्पन्न होने पर यातायात हेल्प लाइन नम्बर 9971009001 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

नोएडा। सेक्टर-24 एनटीपीसी और विभिन्न जगह किसानों के प्रस्तावित धरने को देखते हुए मंगलवार को सुबह 11 बजे से दोपहर तीन बजे के दौरान यातायात बदला रहेगा। बड़ी संख्या में किसान नोएडा ग्रेटर नोएडा एक्सप्रेस-वे होते हुए धरना स्थल पहुंचे।

इस कारण लोगों को असुविधा हो सकती है। यातायात असुविधा उत्पन्न होने पर यातायात हेल्प लाइन नम्बर 9971009001 पर सम्पर्क कर सकते हैं। असुविधा से बचने हेतु वैकल्पिक मार्गों का प्रयोग करें।

ट्रैफिक जाम से बचने के लिए इन मार्गों का करें प्रयोग स्रोक्टर-60 से प्रलिवेटेड के नीचे

सेक्टर-60 से एलिवेटेड के नीचे आकर निठारी की ओर जाने वाला यातायात गिझौड़ चौक से बाएं मुड़कर होशियारपुर तिराहा होकर गंतव्य की ओर जा सकेगा।

सेक्टर-60 से एलिवेटेड के नीचे आकर सेक्टर-12, सेक्टर-20, सेक्टर-22 आदि की ओर जाने वाला यातायात गिझौड़ चौक से दाएं मुड़कर सेक्टर-57 चौक होकर गंतव्य की ओर जा सकेगा।

सेक्टर-18 से एलिवेटेड के नीचे आकर सेक्टर-54, सेक्टर-57, सेक्टर-58, सेक्टर-60 आदि की ओर जाने वाला यातायात सेक्टर-31-25 चौक से बाएं मुड़कर मोदी माल चौक होकर गंतव्य की ओर जा सकेगा।

सेक्टर-18 से एलिवेटेड के नीचे आकर सेक्टर-52, सेक्टर-53, सेक्टर-54, सेक्टर-60 आदि की ओर जानेवाला यातायात सेक्टर-31-25 चौक से दाएं मुड़कर लाजिक्स माल होकर गंतव्य की ओर जा सकेगा।

एडोब चौक से एनटीपीसी सिटी सेन्टर की ओर जाने वाला यातायात मोदी मॉल चौक होकर सेक्टर-31-25 से गंतव्य की ओर जा सकेगा।

चिल्ला बॉर्डर से सेक्टर 15ए, 16, 18, 37 एवं ग्रेटर नोएडा की ओर जाने वाला यातायात सेक्टर 14ए फ्लाईओवर से सेक्टर-15 गोलचक्कर की ओर डायवर्ट कर गन्तव्य को जा सकेगा।

प्रेम सिंह चौधरी, जोधपुर मंडल मुख्य अभियंता का सीरवी समाज द्वारा किया गया स्वागत

जगदीश सीरवी जोधपुर

जोधपुर। 15 जनवरी आज अखिल सीरवी समाज कर्मचारी वेलफेयर सोसाइटी राजस्थान और आईजी सेवा संस्थान जोधपुर के प्रतिनिधि मंडल ने जोधपुर डिस्कॉम में श्री प्रेम सिंह जी चौधरी के मुख्य अभियंता जोधपुर मंडल बनने पर सभी की और बहुमान किया गया। यह पद जोधपुर संभाग में विद्युत विभाग का सबसे बड़ा पद हैं। समाज की और से माल्यार्पण कर मिठाई वितरण कर खशी जाहिर की।

इस मौके पर वेलफेयर सोसाइटी



चौधरी साब के मुख्या बनने पर समाज को नाज़ हैं और हमें उम्मीद हैं की राजस्थान सरकार ने आपकी काबिलियत पर इतना विश्वास किया हैं जो वाकई आपकी कर्मठ कार्यशेली का प्रमाण हैं।इस मौके पर डा आशा राम जी, पूर्व मुख्य अभियंता गोपाराम जी, जेलवा, ओमपकाश, कांस्टेबल प्रवक्ता मंगला राम, तेजाराम जी एक्सईएन, पन्नालाल , रतनलाल एवम अनेक कार्मिक मौके पर उपस्थित रहे।

बदला जाएगा बालासोर रेलवे स्टेशन का अंग्रेजी नाम, रेल मंत्री ने की घोषणा

मनोरंजन सासमल , ओड़िशा

भुबनेश्वर : बालेश्वर रेलवे स्टेशन का अंग्रेजी नाम बदलें। रेलवे स्टेशन पर अब BALASORE की जगह BALESORE लिखा जाएगा। रेलवे टिकटों पर लिखे बालेश्वर का अंग्रेजी उच्चारण भी बदल जाएगा.केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव ने रिववार को यह बड़ी घोषणा की। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नाम बदलने की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है और अगले दो से तीन

साल में नाम बदल दिया

अपने उद्बोधन में बताया की समस्त

इससे पहले केंद्रीय मंत्री अश्वनी वैष्णव ने शनिवार को नीलगिरि गोपीनाथपुर में नए रेलवे स्टेशन का उद्घाटन किया। और इस स्टेशन के उद्घाटन के साथ, नीलगिरि आदिवासी आबादी का सपना पूरा हो गया है। इस मौके पर बालेश्वर सांसद प्रताप षाइंगी, स्थानीय विधायक सुकांत कुमार नायक समेत रेलवे के विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजुद थे।



गुड़ तिल्ली के लड्डू खिला, सितोलिया खेल, गौ माता को हरा चारा व लापसी खिला हर्षोउल्लास के साथ मनाई मकर सक्रांति



परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

भीलवाड़ा। बागोर मकर सक्रांति पर्व कई जगहों पर रविवार को मनाया गया जबिक कई जगहों पर आज सोमवार को भी मनाया गया। बागोर बड़े चारभुजा मन्दिर के पुजारी गोपाल लाल ओझा ने बताया िक आज मकर सक्रांति पर्व पर बागोर स्थित बड़े चारभुजा नाथजी को बाजरे के खीचड़े व गुड़ और तिल्ली के लड्डूओ का भौग लगा प्रसाद वितरण िकया गया। साथ ही गौ सेवको ने मकर संक्रांति के पुनित अवसर पर गांव की गौ माताओं सिहत श्री कृष्ण गोपाल गौ शाला बागोर की समस्त गौ माताओं को भी रविवार को हरा चारा व लापसी खिलाई गई। तो उधर कस्बे में वेलफेयर सेंटर के पास स्थित मोहल्ले में भी बच्चों की दो टीमें बनाई गई। जिनमे युवराज शर्मा व सावर सेठिया की टीम में मुस्कान सोमाणी, राधिका सेठिया, सलोनी सेठिया, सुमन कीर, निहारिका छापरवाल, लिली शर्मा, आयशा शर्मा, ममता कीर, प्रतीक शर्मा, लक्की सेठिया, मयंक छापरवाल, जगदीश कीर, जईन शेख व तनवी ने मिलकर सितोलिया, दड़ीमार, बर्फ-पानी, जैसे खेलों के साथ ही पतंगबाजी करते हुए गुड़ व तिल्ली के लड्डू का प्रसाद खिलाकर बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मकर संक्रांति मनाई।

'साइक्लोथॉन 'यात्रा कन्याकुमारी से दिल्ली का भीलवाड़ा से ढोल नगाड़ों से विदाई, सांसद बहेडिया ने दिखाई झंडी

भीलवाड़ा से एनसीसी यूनिट ने किया साइकिल रैली को विदा परिवहन विशेष अनूप कुमार शर्मा

पारवहन विशेष अनूप कुमार शमा

भीलवाडा। महिला संशक्तिकरण के संदेश के साथ देश के 75वे अमृत महोत्सव के तहत कन्याकुमारी से शुरू हुए साइक्लोथॉन 'महिला शक्ति का अभेद्य सफर' का भीलवाड़ा प्रवेश के बाद आज सुबज 06.00 बजे फ्लैग ऑफ झंडा दिखा के अजमेर के लिए रवाना किया।एनसीसी पांच राज स्वतंत्र कंपनी के कमान अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल तेजिंदर शर्मा ने बताया की कन्याकुमारी से दिल्ली तक साइक्लोथॉन 8 दिसंबर से शुरू हो गया है इसमे 20 सदस्य एक टीम भाग ले रही है। साइकिल से 3 हजार 232 किलोमीटर की दूरी तय कर इस साइक्लोथॉन का समापन 21 जनवरी को दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हाथों होगा । इस बीच रविवार को भीलवाड़ा में प्रवेश हुआ एवं एनसीसी युनिट पर स्वागत किया।सोमवार सुबह भीलवाड़ा के सांसद सुभाष चंद्र बहेडिया ने झंडा दिखाकर साइक्लोथॉन टीम को रवाना किया।एनसीसी कैडेट एवं ढोल नगाड़ों



के साथ सभी महिला एनसीसी कैडेट एवं टीम सदस्य अजमेर पहुंचेंगे एनसीसी कैडेट, सैन्य स्टाफ, अन्य नागरिकों ने फ्लैग ऑफ पर जोरदार स्वागत किया। साइक्लोथोन कैडेट ने संसद एवं सभी को 32 दिन की यात्रा सफर का विवरण बताया।साइक्लोथॉन में तेरह राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) की बालिका कैडेट भाग ले रही है और स्मारकीय साइक्लोथॉन का लक्ष्य 28 जनवरी को दिल्ली में अपने प्रेरक अभियान का समापन करना है।₹महिला शक्ति का अभेद्य सफर₹ या ₹बेजोड़ महिला शक्ति की यात्रा₹ नाम से यह साइक्लोथॉन महिला सशक्तिकरण के प्रति अटूट प्रतिबद्धता का प्रतीक है, जो एनसीसी के मिशन के दिल के करीब है। राष्ट्रीय कैडेट कोर के महानिदेशक, डीजी एनसीसी ने 8 दिसंबर, 2023 को कन्याकुमारी के दक्षिणी सिरे से साइक्लोथॉन को हरी झंडी दिखाई, जो

भारत के हृदय क्षेत्रों के माध्यम से एक परिवर्तनकारी यात्रा की शुरुआत करता है।केरल, कर्नाटक, गोवा, महाराष्ट्र, दमन और दीव, गुजरात, राजस्थान और हरियाणा के सरम्य परिदश्य और विविध संस्कृतियों से गुजरते हुए, साइक्लोथॉन इन युवा महिलाओं की अडिग भावना का एक प्रमाण है, जो औसतन 120 से 130 किलोमीटर की दूरी तय करती है। इस अवसर पर राजस्थान डायरेक्ट्रेट के उदयपुर ग्रुप के ग्रुप कमांडर कर्नल भास्कर चक्रवर्ती ने साइक्लोथॉन के सदस्य ब्रिगेडियर एनएस चारग सहित सभी सदस्यों का स्वागत करते हुए बताया की ₹इस साइक्लोथॉन का मुख्य उद्देश्य महिला सशक्तिकरण है,जिसका लक्ष्य न केवल जागरूकता फैलाना है, बल्कि सार्वजनिक स्थानों पर नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से अपना संदेश पहुंचाना है, जिससे हमारे समाज में महिलाओं की क्षमताओं और क्षमता के बारे में लोगों को प्रेरणा मिल सके। साइक्लोथोन के टीम सदस्य कैडेट ने अपने अनुभव एवं विचार साजा किए।इस अवसर पर कैडेट ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए तथा लेफ्टीनेंट राजकुमार जैन,लेफ्टीनेंट

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक संजय कुमार बाटला द्वारा इम्प्रेशंस प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, सी-18,19,20 सेक्टर 59, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं 3, प्रियदर्शनी अपार्टमेंट ए-4, पश्चिमी विहार, नई दिल्ली- 110063 से प्रकाशित। सम्पर्क: 9212122095, 9811902095. newstransportvishesh@gmail.com (इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी) किसी भी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा दिल्ली के न्यायालय के अधीन होंगे। Title Code: DELHIN28985. DCP Licensing Number F.2 (P-2) Press/2023